वर्ष : 27 | अंक : 131 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 02 मई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

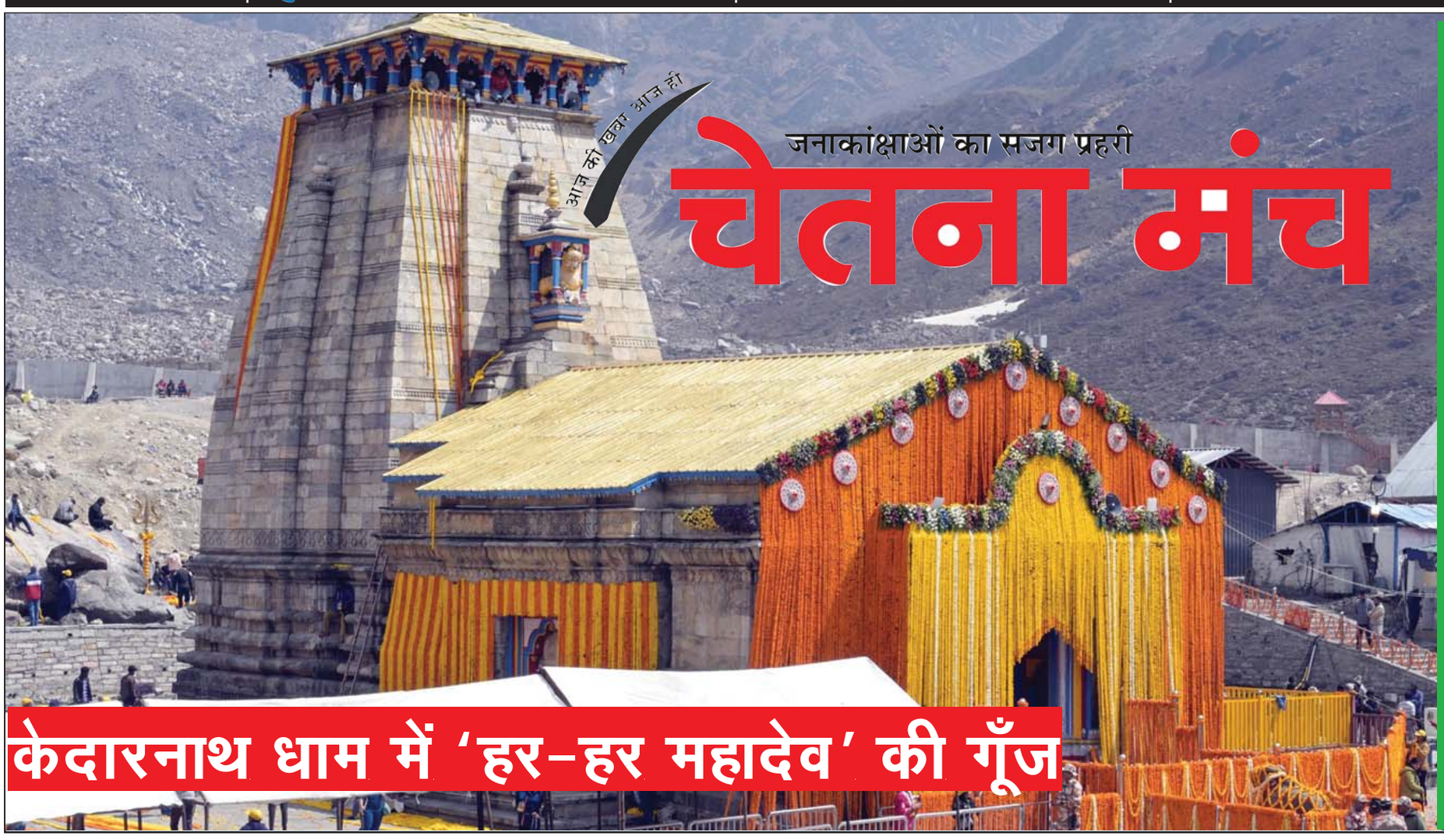

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

केदारनाथ धाम में 'हर-हर महादेव' की गूँज

बाबा केदारनाथ के कपाट खुले

देहरादून (एजेंसी)। आज बाबा केदारनाथ धाम के कपाट वैदिक मंत्रों और श्रद्धा के वातावरण में खुलते ही श्रद्धालुओं में भक्ति और आस्था की लहर दौड़ गई। बाबा केदार आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का संचार करें। केदारनाथ मंदिर को 108 क्विंटल फूलों से सजाया गया है।

देवभूमि उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम के कपाट विधि विधान के साथ शुक्रवार सुबह सात बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए. इस दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे. पुजारियों के वैदिक मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं के जयकारे के बीच कपाट खुले और इस दौरान श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। इससे पहले गुरुवार को ही बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली केदारनाथ धाम पहुंची थी। बाबा के दर्शनों के लिये करीब 15 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहले ही पहुंच चुके थे और जैसे ही शुक्रवार सुबह कपाट खुले तो पूरा धाम 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंज उठा।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर फाइटर जेट्स का टच डाउन

शाहजहांपुर में बनी हवाई पटटी पर पहली बार नाइट लैंडिंग शो

लखनऊ। (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच भारतीय वायुसेना ने आज उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे पर भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को ऐतिहासिक ट्रायल किया। एक्सप्रेस-वे पर बनाई गई हवाई पटटी पर एएन-32 विमान दोपहर 12.40 पर उतरा और 5 मिनट तक हवा का चक्कर लगाया। यह उत्तर प्रदेश का चौथा एक्सप्रेसवे है जहां हवाई पटटी है। इस हवाई पटटी पर रात में भी लैंडिंग की जा सकती है।

मेरठ से शाहजहांपुर को कनेक्ट करने वाले गंगा एक्सप्रेसवे पर बने 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी पर एयरफोर्स ने अपनी ताकत दिखाई। इस मिशन में वायुसेना के सबसे एडवांस फाइटर ने टेकऑफ और लैंड किया।

विमानों का अभ्यास दो चरणों में हुआ—सुबह 11:30 बजे से 1 बजे तक और फिर शाम 7 से 10 बजे तक। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ स्कूली बच्चों की भी भागीदारी रही। यह हवाई पट्टी मेरठ से प्रयागराज के बीच बने गंगा एक्सप्रेसवे का हिस्सा है, जिसे रणनीतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम माना जा रहा है। इस ऐतिहासिक मौके पर भारतीय वायुसेना के राफेल, मिराज, सुखोई और जगुआर जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान हवाई पट्टी पर उतरे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

वोट हमारा, राज तुम्हारा अब नहीं चलेगा: मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जातीय जनगणना कराने के ऐलान के बाद से देश और प्रदेश में सियासी हलचल काफी ज्यादा देखने को मिल रही है. लगातार उत्तर प्रदेश में दिग्गज नेताओं की ओर से उनकी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में बसपा अध्यक्ष मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर इस मामले में अपनी राय रखी है।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार और विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि केंद्र सरकार ने पहले जातीय जनगणना से इंकार किया, लेकिन अब ओबीसी हितैषी दिखने की होड़ में फैसला ले रही है।

मायावती ने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर बहुजन-विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन पार्टियों की वजह से ही बहुजन समाज शोषित, वंचित और पिछड़ा रहा है। आज जब ओबीसी वोटों की राजनीति गर्म है, तब ये दल खुद को हितैषी साबित करने में जुटे हैं।

उन्होंने दोहराया कि ओबीसी समाज का वास्तविक हित केवल बीएसपी में ही निहित है। बाबा साहेब अंबेडकर और बीएसपी के संघर्षों ने ही इस समाज को जागरूक किया है।

मायावती ने अंत में दो टूक कहा कि वोट हमारा, राज तुम्हारा-अब नहीं चलेगा, जो उनकी राजनीतिक सोच और बहुजन आंदोलन के उद्देश्य को दर्शाता है।

आगरा में ज्वैलर की दिनदहाड़े हत्या

आगरा (एजेंसी)। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र के कारगिल चौराहे पर बालाजी ज्वेलर्स की दुकान में बदमाशों ने धावा बोल दिया। यहां से सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। इस दौरान सराफ भी बदमाशों से भिड़ गए। बदमाशों ने तमंचे से सराफ को गोली मार दी। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। सराफ को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सिकंदरा थाना क्षेत्र के रामा एंक्लेव निवासी योगेंद्र चौधरी की कारगिल चौराहे के पास बालाजी ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। सुबह 10:00 बजे उनके कर्मचारी रेनू ने दुकान खोली थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पुलिस-बदमाशों में मुठभेड़, लुटेरे गिरफ्तार, 2 के पैर में लगी गोली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर पुलिस ने एक सूचना के आधार पर तीन शातिर बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली 2 बदमाशों के पैर में लगी है। इनके पास से पुलिस ने चोरी की तीन कारें, अवैध हथियार आदि बरामद किया है। इन बदमाशों के ऊपर कई मुकदमे पूर्व में दर्ज हैं।

पुलिस ने बताया कि थाना सूरजपुर पुलिस मोजर बीयर गोल चक्कर के पास चैकिंग कर रही थी, तभी सूचना मिली कि रेलवे लाइन के किनारे जंगल में कुछ संदिग्ध लोग इकट्ठा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां पर छापेमारी की। अपने आपको पुलिस से घिरा हुआ देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

वर्ष 1983 के विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव ने लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की।

आंधी के साथ तेज बारिश, ट्रैफिक जाम, दिल्ली में 4 की मौत

नोएडा/ लखनऊ। (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार सुबह मूसलाधार बारिश तेज हवाओं के साथ हुई। वहीं उत्तर प्रदेश में आंधी-पानी को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। कई जिलों में भारी बारिश के साथ बिजली गिरने का भी अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश के कौशांबी, फतेहपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर के लिए अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा वाराणसी, आजमगढ़, लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद के लिए 5 दिनों तक बारिश और बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी किया गया।

दिल्ली में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज आंधी तूफान के साथ दिल्ली में बारिश हुई है। मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए पहले ही रेड अलर्ट जारी किया था। बेमौसम बरसात से दिल्ली के कमला नगर, जहांगीरपुरी, आदर्श नगर में जलजमाव हो गया है।

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार की सुबह तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम सुहावना हो गया। हालांकि बारिश की वजह से सुबह के वक्त ऑफिस आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

मौसम की वजह से 40 से ज्यादा फ्लाइट्स को डाइवर्ट किया गया है जबकि 100 के आसपास फ्लाइट्स डिले हैं. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने राजधानी दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के अनुसार अगले दो घंटों के भीतर दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और गंभीर गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना है। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे हैं।

इस बीच दिल्ली के जाफरपुर कलां इलाके में तेज हवाओं के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया. यहां खेत में बने एक कमरे पर भारी नीम का पेड़ गिर गया, जिससे कमरा ढह गया. कमरे में मौजूद एक महिला और तीन मासूम बच्चों की मलबे में दबकर मौत हो गई. सूचना के बाद पहुंची राहत और बचाव टीम ने मलबे से सभी को बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ है, जिसका इलाज जारी है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में तेज रफ्तार हवाओं के बाद हुई मूसलाधार बारिश ने यहां के जीवन को अस्त व्यस्त कर दिया। कार से चलने वालों को जहां वाटर लॉगिंक के कारण भारी दिक्कतों का सामना पड़ा। वहीं दो पहिया वालों के लिए भी यह वाटर लॉगिंक परेशानी का सबब बनी। वाटर लॉगिंग के कारण कई गाड़िया बंद हो गई। लेकिन सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को हुई। नोएडा के महामाया फ्लाईओवर के पास वॉटर लॉगिंग के कारण लोगों को परेशानियों को सामना करना पड़ता है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भी बारिश के कारण सुबह के समय लम्बा जाम लग गया। वहीं कई सेक्टरों में तेज आंधी और हवा के कारण बिजली की सप्लाई कई सेक्टरों में रोकनी पड़ है। अभी तक किसी के हताहत उन्हें की कोई सूचना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक रुक-रुक कर बारिश हो सकती है आज का तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया है

ADMISSION OPEN
SARASWATI
GLOBAL
SCHOOL
NCERT
BOOKS
(Buy NCERT Books from any stationary shop)
Sector 22 Noida
Mob.8750611103

सेना को छूट

प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान, आतंकियों और उनके आकाओं पर प्रहार करने की सेना को खुली छूट दे दी है। हमले का तरीका, जगह, लक्ष्य और समय सेनाएं ही तय करेंगी। प्रधानमंत्री ने देश की सेनाओं की क्षमताओं पर विश्वास जताया है। इतना जरूर स्पष्ट किया गया है कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। कश्मीर में ही उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को खुली छूट दी थी। हालांकि सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमले की अंतिम स्वीकृति प्रधानमंत्री से जरूर ली गई थी। प्रधानमंत्री ने बीते दो दिनों में दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। उन बैठकों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी मौजूद रहे, लेकिन निर्णायक बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे। जाहिर है कि प्रधानमंत्री के सामने संभावित हमलों के प्रारूप और रोडमैप रखे गए होंगे! अंततः सेना को स्वतंत्र छूट दी गई। बुधवार, 30 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी, राजनीतिक और आर्थिक मामलों की कैबिनेट समितियों की बैठकों में भी व्यापक विमर्श किया गया। कैबिनेट की पूरी बैठक भी की गई। अब सर्वोच्च स्तर पर यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत ने पहलगाम नरसंहार का बदला लेना तय कर लिया है। तीनों सेना प्रमुखों के प्रारूपों में जो संशोधन जरूरी लगे होंगे, वे कैबिनेट की बैठकों में कर लिए गए। अब हमारी सेनाओं का आक्रामक प्रहार क्या होगा, यह उसी पल ही सामने आएगा, जब हमला किया जाएगा। भारत अपनी तरफ से युद्ध का आगाज करने नहीं जा रहा है। जो आतंकवाद के चेहरे हैं, निशाने पर सिर्फ वही होने चाहिए। रक्षा विशेषज्ञ अपने लंबे, सैन्य अनुभवों के आधार पर आकलन कर रहे हैं कि आतंकियों के साथ-साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, वहां की फौज और सेना प्रमुख जनरल मुनीर हमारी सेनाओं के निशाने पर हो सकते हैं। ये ही आतंकवाद का क्रमबद्ध सिलसिला हैं। सेना के ऑपरेशन जमीन और हवा के अलावा समंदर से भी किए जा सकते हैं। हमारी सेनाओं ने दुश्मन का अच्छी तरह अध्ययन कर लिया होगा! हमारी सेनाओं के निशाने पर पाकिस्तान के 30 से ज्यादा महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं, जिन्हें सेनाएं मिसाइल हमलों में ही उड़ा सकती हैं। हमारी सेनाओं के पास ऐसे भी अस्त्र हैं, जिन्हें भारत की सीमा में रहते हुए भी छोड़ा जा सकता है। वे वाकई बेहद विध्वंसक हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सैन्य ऑपरेशन व्यापक और बहुध्रुवीय हो सकता है। बहरहाल सेना जो भी करेगी, पूरी दुनिया के सामने होगा, लेकिन एक बार फिर दोहरा रहे हैं कि यह देश के एकजुट रहने का वक्त है। यह विवादास्पद, घटिया और मानहानि वाले पोस्टर पोस्ट करने का वक्त नहीं है। यह देश के प्रधानमंत्री को अपमानित करने का भी समय नहीं है। हां, हम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस आग्रह को समर्थन देते हैं कि संसद का एकदिनी विशेष सत्र बुलाया जाए और पाकिस्तान, आतंकवाद के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया जाए। ऐसे विशेष सत्र 'निर्भया कांड' के बाद भी बुलाए गए हैं। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया, तो मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का नया विचार सामने आया। प्रधानमंत्री मोदी संसद के भीतर सैन्य रणनीति का खुलासा बिल्कुल न करें। विपक्ष से भी हमारी अपेक्षाएं हैं कि वे फिजूल का दबाव सरकार पर न डालें। एक राष्ट्र के तौर पर, संसद के जरिए, आतंकवाद और पाकिस्तान की भूमिका को पुरजोर बेनकाब करें। बेशक दुनिया भी हमारी संसद से गूंजने वाले हुंकारों को सुनेगी। यदि सरकार संसद का सत्र नहीं बुलाती है, तो कमोबेश अभी उसे सियासत का आधार न बनाएं। भारत को पलटवार कर प्रतिशोध लेने दें, पीड़ित परिवारों को कुछ तसल्ली मिलने दें। देश सामान्य हो जाएगा, तो सरकार का विरोध जायज होगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वह धर्म की धुरी को धारण करने वाला, नीति की खान, तेजस्वी, प्रतापी, सुशील और बलवान था, उसके दो वीर पुत्र हुए, जो सब गुणों के भंडार और बड़े ही रणधीर थे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

राज धनी जो जेठ सुत आही। नाम प्रतापभानु अस ताही॥
अपर सुतहि अरिमर्दन नामा। भुजबल अतुल अचल संग्रामा॥
राज्य का उत्तराधिकारी जो बड़ा लड़का था, उसका नाम प्रतापभानु था। दूसरे पुत्र का नाम अरिमर्दन था, जिसकी भुजाओं में अपार बल था और जो युद्ध में (पर्वत के समान) अटल रहता था॥
भाइहि भाइहि परम समीती। सकल दोष छल बरजित प्रीती॥
जेठे सुतहि राज नृप दीन्हा। हरि हित आपु गवन बन कीन्हा॥
भाई-भाई में बड़ा मेल और सब प्रकार के दोषों और छलों से रहित (सच्ची) प्रीति थी। राजा ने जेठे पुत्र को राज्य दे दिया और आप भगवान (के भजन) के लिए वन को चल दिए॥
दो0- जब प्रतापरबि भयउ नृप फिरी दोहाई देस।
प्रजा पाल अति बेदबिधि कतहुँ नहीं अघ लेस॥
जब प्रतापभानु राजा हुआ, देश में उसकी दुहाई फिर गई। वह वेद में बताई हुई विधि के अनुसार उत्तम रीति से प्रजा का पालन करने लगा। उसके राज्य में पाप का कहीं लेश भी नहीं रह गया॥ (क्रमशः...)

पहलगाम आतंकी हमला के हमास-आईएसआई कनेक्शन को समझिए और 'दक्षिणी रणनीति' को भेदिये!

पा कहीं अमेरिका, कहीं चीन, कहीं रूस, कहीं ब्रिटेन आदि की शह पर फलफूल रहा इस्लामिक आतंकवाद अब एक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय एजेंडा बन चुका है, जो हथियार-गोलाबारूद और सुरक्षा उपकरण निर्माता पूंजीवादी ताकतों को बेहद रास आ रहा है। ऐसा इसलिए कि हर विध्वंस के बाद होने वाले निर्माण से भी किसी न किसी रूप में पूंजीवादियों के ही कारोबार बड़ते हैं। अलबत्ता शांतिप्रिय और प्रगतिशील देशों को इन वैश्विक षड्यंत्रों से निपटने के बारे में मौलिक रूप से सोचना होगा और जवाबी एहतियाती कार्रवाई करनी होगी, ताकि इनके नापाक मंसूबे कभी भी सफल नहीं हो सकें और ये आपस में ही लड़-भीड़ कर खत्म हो जाएं।

देखा जाए तो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले ईसाई समुदाय ने दूसरी बड़ी आबादी मुस्लिम समुदाय को निबटाने के लिए आतंकवाद प्रोत्साहन जैसी अनोखी पहल की है, जिसके तहत अरब देश आपस में ही संघर्षरत हैं। इसके अलावा पड़ोसी मुस्लिम देश और अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी वाले गैर मुस्लिम देश भी इनकी जद में आ चुके हैं। भारत उनमें से एक है। इधर ईसाईयों और यहूदियों के चालों से सजग मुस्लिम देशों व उनके संगठनों ने काड़िर मुक्त विश्व का सपना देखा है, जिसमें गैर मुसलमानों के लिए कोई जगह नहीं है। उनकी इस नापाक सोच से भी भारत के हिन्दू सबसे ज्यादा पीड़ित हैं।

कहना न होगा कि पहले औद्योगिक क्रांति और अब सूचना क्रांति से पैदा हुए पूंजीवाद के ऊपर सवार होकर ये जज्बातें दुनिया के एक बड़े भूभाग को तबाह किए हुए हैं। पहले इंग्लैंड, फिर अमेरिका, उसके बाद रूस और अब चीन की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं ने इस कदर नैतिक-अनैतिक और प्रतिशोधी रूप में कट्टर इस्लाम मतावलम्बियों का सशत्र दुरूपयोग किया कि अब ये लोग भी दो-चार धड़ों में विभाजित हो चुके हैं और परस्पर खून-खराबे पर उतारू हैं। ऐसे में भारत की गुटनिरपेक्षता, उदारता और विश्वबंधुत्व की भावना ही उसके गले की हड्डी बन चुकी है।

यही वजह है कि जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तुलना अब 7 अक्तूबर 2023 को इजरायल पर हुए हमले से की जा रही है, जो अनायास नहीं है बल्कि इनके बीच कुछ लौकिक साम्यताएं भी दिखाई पड़ी हैं। पहलगाम आतंकी हमले वाले दिन पर यदि गौर करें तो इजरायल पर हमले से पहले हमास नेताओं की तरह ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने इस आतंकी हमले से कुछ दिन पहले आतंकवादी समूहों को उकसाने के लिए जानबूझकर सांप्रदायिक हिंसा को भड़काने की कोशिश की थी। तब जनरल मुनीर इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानी कन्वेंशन (OPC) में भीड़ के सामने खड़े हुए और कश्मीर को पाकिस्तान की 'गले की नस' बताते हुए विवादास्पद 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' का हवाला दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने हिंदू-मुसलमान कार्ड भी खेला और पाकिस्तानियों को हिंदुस्तानियों से अलग बताया।

देखा जाए तो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले ईसाई समुदाय ने दूसरी बड़ी आबादी मुस्लिम समुदाय को निबटाने के लिए आतंकवाद प्रोत्साहन जैसी अनोखी पहल की है, जिसके तहत अरब देश आपस में ही संघर्षरत हैं।

इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि आखिर अरब आतंकवादी/उग्रवादी संगठन हमास की राह पर ही क्यों चल रही है पाकिस्तानी सेना और इसके क्या-क्या दुष्परिणाम सामने आ सकते हैंड़ कहना न होगा कि इस समय पाकिस्तानी सेना का हाल लगभग वैसे ही है, जैसे 7 अक्तूबर 2023 के हमले के वक्त हमास का था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बढ़ते हमले, बलूचिस्तान में बढ़ते विद्रोह और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में बंद होने के बीच राजनीतिक अस्थिरता ने जनरल मुनीर की सत्ता पर पकड़ को नाटकीय रूप से कमजोर कर दिया है।

पाकिस्तानी सेना के जनरल चुपचाप मुनीर के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। ऐसे में जनरल मुनीर को कश्मीर मुद्दे को हाईलाइट कर पाकिस्तानियों का ध्यान भटकाने की जरूरत थी। ठीक वैसे ही हमास ने भी गाजा के कुप्रबंधन से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इजरायल पर हमला किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कम से कम जनता की भावना उसके पक्ष में हो।

ऐसे में यह समझना बेहद जरुरी है कि इस मुताल्लिक गड़ी गई आईएसआई की 'दक्षिणी रणनीति' क्या है और भारत पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? क्योंकि 26/11 मुंबई हमलों के सूत्रधार तहव्वुर राणा के आसन्न प्रत्यर्पण ने जनरल मुनीर की कमजोरी को और बढ़ा दिया, जिससे आतंकवाद में पाकिस्तानी सेना की दशकों पुरानी मिलीभगत उजागर होने का खतरा पैदा हो गया है। खुफिया सूत्रों ने संकेत दिया कि आईएसआई ने कश्मीर में नए घुसपैठ की सावधानीपूर्वक तैयारी शुरू कर दी थी। जम्मू के सामने लॉन्च पैड पर लगभग 100 आतंकवादी जमा थे, जो पाकिस्तानी आईएसआई की भयावह 'दक्षिणी रणनीति' के लिए तैयार थे। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुई भयावह परिस्थियों के बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आतंकवादियों को वित्त पोषण देने की तीन दशकीय रणनीति भी स्वीकार की है, जिससे भारत और ज्यादा सजग और आक्रामक हुआ है।

सीधा सवाल है कि आखिर पहलगाम हमले का हमास से क्या संबंध है? तो यहाँ पर यह जानना जरुरी है कि जब 22 अप्रैल 2025 की दोपहर को पहलगाम की सुंदर बैसरन घाटी की सुंदरता का आनंद ले रहे पर्यटकों पर चार से पांच आतंकवादियों ने हमला किया था, तो इस दौरान उन्होंने पर्यटकों से इस्लामिक आयतें पढ़ने को कहा, और ऐसा नहीं करने वालों को तुरंत गोली मार दी। बता दें कि यह यहूदी नागरिकों के खिलाफ हमास के इस्तेमाल किए गए धर्म आधारित हमले का नकल था। जिसमें हमलावरों ने अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया, जिसमें अमेरिकी निर्मित एम4 कार्बाइन और एके-47 असॉल्ट राइफलें थीं, जो पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों की पहचान है।

इससे ही जुड़ा हुआ सवाल यह है कि क्या कश्मीरी आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैय्यबा ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर यह साजिश रची, तो जवाब यही होगा कि हाँ, इस हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने ली, जो लश्कर-ए-तैयबा (LeT) का एक प्रॉक्सी संगठन है। टीआरएफ को पाकिस्तान की आईएसआई ने अनुच्छेद 370 के बाद जानबूझकर वैश्विक आतंकवाद विरोधी निगरानी संस्था एफएटीएफ की जांच से बचने के लिए बनाया था। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 7 अक्टूबर 2023 से पहले हमास की इसी तरह की ऑनलाइन लामबंदी रणनीति के समानांतर टीआरएफ की एन्क्रिप्टेड डिजिटल भर्ती पर बारीकी से नज़र रखी थी, जिससे यह सबकुछ संभव हो पाया।

आखिर में सवाल यह भी है कि पहलगाम हमले का खास उद्देश्य क्या था और क्या आतंकवादी अपने ध्येय में सफल रहे तो यहाँ पर यही कहना उचित होगा कि यह हमला हमास के हमले से भयावह समानता रखता है, जिसमें प्रतीकात्मक स्थानों पर नागरिकों को निशाना बनाना शामिल था। इसका उद्देश्य न केवल मारना था बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से कश्मीर की अर्थव्यवस्था को तबाह और अस्थिर करना था। जिस तरह हमास ने दक्षिणी इजरायल में शांति के प्रतीक एक संगीत समारोह को निशाना बनाया, उसी तरह द रेजिस्टेंस फ्रंट ने कश्मीर के पुनरुत्थान और सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक पहलगाम पर जानबूझकर हमला किया। कश्मीर में रिकॉर्ड पर्यटन हुआ था, जिसे आतंकवादियों ने पटरी से उतारने की कोशिश की। इस प्रकार आतंकवादी अपने क्षणिक उद्देश्य में सफल रहे, जबकि भारतीयों का धैर्य उन्हें लम्बी रणनीतिक मात देगी।

ऐसा इसलिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान को भारत की जवाबी सैन्य कार्रवाई का डर सता रहा है। इस कारण पाकिस्तान ने भारत से लगी सीमा पर न सिर्फ सैनिकों की तैनाती को बढ़ा दिया है, बल्कि भारी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद को जमा किया है। बताया जा रहा है कि पहलगाम हमले की साजिश पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने मिलकर रची थी, जिसकी अब उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत अब यह समझ चुका है कि लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे। इसलिए वह धैर्य पूर्वक ठोस कार्रवाई करेगा, ताकि भारत को ज्यादा क्षति नहीं उठानी पड़े।

इधर, भारतीय भी अब यह समझ चुके हैं कि दुनिया की तीसरी बड़ी आबादी हिन्दुओं को दबाए रखने और उन्हें समाप्त किए जाने का अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र सदियों से चल रहा है। इसलिए वो अपनी जातीय कमजोरियों को तिलांजलि देंगे और मजबूती पूर्वक बदला लेंगे। हिन्दू अब यह बात भी जानने-समझने में लगे हुए हैं कि आसेतु हिमालय यानी हिमालय से दक्षिण में अफगानिस्तान से म्यांमार तक, जो प्राचीन सनातनी यानी हिन्दू भूमि रही है, इसे यदि विदेशी आक्रांताओं व उनके मूल वंशजों को बाहर नहीं किया गया तो ये अमनचैन से जीने नहीं देंगे।

आज नहीं तो कल भारत हिन्दू राष्ट्र भी बन जायेगा। लेकिन अब हिंदुस्तान में पाकिस्तान प्रवृत्ति विरोधी राजनीति गति पकड़ेगी और वक्त ऐसा प्रधानमंत्री पैदा करेगा जो पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बंगलादेश के अलावा उन सभी पड़ोसियों को भारत में मिला देगा जो भारत विरोधी भाषा बोलेगा।

भारत के लिए यह मुश्किल कार्य नहीं है, बल्कि इस हेतु सेना और पुलिस को नए सिरे से प्रतिबद्ध बनाने की जरूरत है। उससे पहले राजनीतिक माहौल बदलने की आवश्यकता है। आईएसआई की दक्षिण रणनीति को इससे बेहतर जवाब कुछ हो ही नहीं सकता। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

उचित काम करने का उचित समय (व्यंग्य)

कि सी काम को करने के लिए कोई भी समय, उचित समय होता है लेकिन पर्यावरण के मोहल्ले की साफ सफाई करने का उचित समय पर्यावरण दिवस के दिन ही होता है। साफ सुथरे कपडे पहनकर, एप्रिन लगाकर, दस्तानों में हाथ डालकर, सिर पर टोपी फंसाकर, जोर और शोर से साफ सफाई की जाती है। इस दिन समारोह जरूर होना होता है। बिना समारोह, बिना फोटो, बिना खबर छपवाए ही साफ सफाई हो जाए तो उचित नहीं मान सकते। पर्यावरण की तरह, वातावरण को साफ करने का भी उचित दिन और समय होता है।

वातावरण में नवनिर्माण जारी रहता है। मूर्तियां वातावरण का जरूरी हिस्सा हो चुकी हैं। ईंट, पत्थर, लोहे, तांबे और प्लास्टिक की मूर्तियां बढ़ती जा रही हैं। यह प्रशंसनीय है कि इस विकास के कारण मानवीय मूर्तियों को भी काफी काम मिल रहा है। उचित समय पर भरपूर लग्न से काम किया जाता है ताकि उचित नाम भी मिलता रहे। हमारी अनेक सामाजिक संस्थाएं निर्णय लेते हुए असमंजस में रहती हैं कि वार्षिक शिड्यूल में अगला उचित कार्यक्रम क्या किया जाए। इस सन्दर्भ में शहर में लगी, बदरंग हुई, उखड़े सीमेंट, पक्षियों की बीट लगी, धूल, मिटटी, कूड़ा कचरा सहती महाव्यक्तियों की उदास मूर्तियां, प्रेरणा का उचित स्रोत हो सकती हैं। हमारे यहां महाव्यक्तियों के जन्म या अवसान दिवस के अवसर पर, प्रेरणा लेने की राष्ट्रीय सांस्कृतिक परम्परा भी है।

वातावरण में नवनिर्माण जारी रहता है। मूर्तियां वातावरण का जरूरी हिस्सा हो चुकी हैं। ईंट, पत्थर, लोहे, तांबे और प्लास्टिक की मूर्तियां बढ़ती जा रही हैं। यह प्रशंसनीय है कि इस विकास के कारण मानवीय मूर्तियों को भी काफी काम मिल रहा है।

काफी हाउस के सामने खड़े-खड़े प्रेरणा बैठक कर ली गई जिसमें विचार किया कि फलानी जगह पार्क की दुर्दशा हो रही है। कुछ ही दिन बाद पार्क में लगी मूर्त व्यक्ति की जयन्ती है। इस उचित अवसर पर पार्क की सुध लेने के लिए गोद ले लिया जाए। शुभ काम में देरी नहीं की जाती। लंबे समय से बदहाल चल रहे पार्क की जमीन को समतल करवाने, वहां फेंका कूड़ा कचरा उठवाकर उचित स्थान पर ठिकाने लगवाने, चार दीवारी पर रंग रोगन पुतवाने का नैतिक कार्य शुरू किया जाता है। यह पुण्य कार्य जयंती से एक दिन पहले ही करवा दिया जाता है ताकि उस दिन वहां आने वालों के साथ साथ मूर्ति को भी बेहतर लगे।

आयोजन छोटा हो या बड़ा, गोल हो या चौकोर, संस्था ने मूर्ति क्षेत्र की मरम्मत और साफ सफाई के बहाने अपना भी एक सामाजिक प्रोजेक्ट पूरा कर लिया। इस महत्त्वपूर्ण अवसर पर, परम्परा अनुसार अध्यक्ष के उचित उदगार प्रकट होने आवश्यक थे। वह बात अलग थी कि सार्वजनिक जीवन में उन्होंने ऐसा बहुत कम बार किया था फिर भी उन्होंने बड़ी संजीदगी से ऐसा किया और डेढ़ दर्जन माइक्स के सामने कहा, 'हमारे क्लब द्वारा सुधारे परिसर में लगी मूर्ति की शिक्षाएं, माफ करें जिनकी मूर्ति है, इस बार वे उनका नाम भी भूल गए, फिर भी उन्होंने संभाल लिया, बोले 'उन महान आत्मा की शिक्षाएं आज भी बेहद प्रासंगिक है और हमारे समाज के लिए लाभकारी हैं। हम सभी को उनका अनुसरण करना चाहिए।' संभवत उन्हें पता न चल पाया कि उन्होंने क्या कहा लेकिन मूर्ति को जरूर अच्छा और उचित लगा। यह तारी? के काबिल है कि इंसानों के सदव्यवहार से अब मूर्तियां भी खुश रहने लगी हैं। वातावरण और पर्यावरण ने पक्की दोस्ती कर ली है। उचित समय पर, उचित तरीके से किया गया, उचित कार्य सभी पसंद करते हैं। **- संतोष उत्सुक**

राशिफल

वैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक के रखें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान में दूरी रहेगी। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। कलह से बचें। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। एक व्यावसायिक ऊर्जा में आप में बनी रहेगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ और व्यापार भी अच्छा होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। समाज में सराहे जाएंगे। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कन्या राशि की स्थिति थोड़ी सी मानसिक रूप से बहुत अच्छी नहीं। अज्ञात भय सताएगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा का योग बनेगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। व्यापारिक सफलता मिलेगी। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम संतान का साथ।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान भी मध्यम है। व्यापार लगभग ठीक चल रहा है। सूर्य को जल देते रहें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य प्रेम व्यापार अच्छा दिख रहा है।

सांसद सुमन के काफिले पर हुए हमले के विरोध में सपा का प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। करणी सेना द्वारा अलीगढ़ में समाजवादी पार्टी के

राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले पर किए गए हमले के विरोध में सपा कार्यकर्ताओं ने सूरजपुर स्थित जिला कलेक्टर पर प्रदर्शन किया और महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के दलित राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के काफिले पर जानलेवा हमला एक आपराधिक कृत्य है। पहले उनकी आवास पर और अब उनके काफिले पर हमला यह उनके विरुद्ध एक गहरी साजिश का उदाहरण है। उत्तर प्रदेश सरकार जानबूझकर अपराधियों को संरक्षण दे रही है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आए दिन हत्या लूट महिलाओं के साथ अत्याचार और अराजकता की घटनाएं हो रही है। प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है, उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है।

इस मौके पर सपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि राज्यसभा सांसद रामजीलाल को लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है। सरकार जानबूझकर उनकी सुरक्षा का इंतजाम नहीं कर रही जिससे इस तरह की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की शहर पर खुलेआम संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है। सरकार मूकदर्शक बनकर अपराधी और संविधान विरोधियों लोगों का समर्थन कर रही है। एक दलित सांसद पर खुलेआम हमले होने के बावजूद दोषियों पर कार्रवाई न होना सरकार की दलित विरोधी मानसिकता को प्रदर्शित करता है।

इस मौके पर मुख्य रूप से वीर सिंह यादव, इन्दर प्रधान, महेंद्र नागर, गजराज नागर, सुनील भाटी देवटा, नरेंद्र नागर, यूनुस प्रधान, राहुल अवाना, रामसरन नागर एडवोकेट, लाल सिंह गौतम, कृशान्त भाटी, मनोज भाटी एडवोकेट, कुंवर नादिर अली, अकबर खान, दीपक नागर, मोहित यादव, सुनीता यादव, शशि यादव, जगबीर नंबरदार, विकास भनौता, विपिन सेन, अनिल प्रजापति, हुकम सिंह भारती, विनीत यादव, रोहित मत्ते गुर्जर, प्रवीण भाटी, हरवीर प्रधान, रविंद्र यादव, सुनील बदौली, दीपक देवटा, हैप्पी पंडित, दीपक शर्मा, अवनीश भाटी, अमित रौनी, नवीन भाटी, अजय चौधरी एडवोकेट, विनोद लोहिया, सुभाष भाटी, शौकत चेची, राकेश गौतम, लखन यादव, विक्रम टाइगर, राजेश रोही, हरपाल सिंह, संजय खान, पवन जोगी, विनय शर्मा, संजय यादव, सलीम राव, वकील सिद्दकी, जुबेर खान, प्रशांत भाटी, मुरारी लाल गौतम, पवन जोगी, अनीता चौहान, राशिद सिद्दकी, खुशी यादव, चमन नागर, सनी प्रजापति, सत्यप्रकाश नागर, जावेद अंसारी, सतपाल यादव, शादाब सलमानी, किट्टू चौधरी आदि मौजूद रहे।

इफको कर्मचारी यूनियन ने मनाया मई दिवस

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको कर्मचारी यूनियन द्वारा संघ कार्यालय में मई दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर यूनियन के अध्यक्ष पंकज पांडे ने श्रमिक बांधुओं को बधाई देते हुए कहा कि 1 मई का दिन हमारे लिए विशेष महत्व रखता है। आज ही के दिन शिकागो में मजदूरों द्वारा एक क्रांति शुरू हुई, उसे क्रांति में लाखों मजदूर मारे गए, यह घटना पूंजी पतियों और मिल मालिकों की आंखें खोल देने वाली थी इसी क्रांति के बाद मजदूरों का शोषण होना बंद हुआ और उनके कार्य करने का समय निर्धारित हुआ और पूरी दुनिया में इस दिन अवकाश घोषित किया गया।

उन्होंने कहा कि ब्रिटिश उपनिवेश द्वारा श्रमिकों को मारा पीटा जाता था, और उनके काम करने की कोई समय सीमा नहीं थी, इसी आंदोलन के बाद वहां भी श्रमिकों के कार्य करने का घंटा तय हुआ और मजदूरों की शक्ति के सामने ब्रिटेन ही नहीं पूरी दुनिया को झुकना पड़ा। इस मौके पर कर्मचारी संघ के महामंत्री श्री विजय यादव ने कहा कि मजदूर दिवस का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों एवं न्याय के लिए एक मंच प्रदान करना होता है। उन्होंने कहा कि आज हम सभी संगठित हैं इससे पूंजीवादी व्यवस्था हम पर मनमाने ढंग से हावी नहीं होने पा रही है। इसी कड़ी में संघ के पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी ने मई दिवस की सभी को बधाई दी।

इफको कर्मचारी संघ अपने अवकाश लेने वाले कर्मचारियों को इस दिन सम्मानित भी करता है, इफको से अवकाश लेने वाले लैब विभाग में कार्य करने वाले अमरनाथ यादव को शाल और स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया गया तथा उनके दीर्घजीवी होने की कामना की गई। इसके बाद संघ की ओर से आयोजित भोज में सभी शामिल हुए जिसमें कर्मचारी युनियन के अध्यक्ष पंकज पांडे महामंत्री विजय कुमार यादव ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी महामंत्री स्वयं प्रकाश तथा दोनों संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय पर धरना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में प्रदेशीय नेतृत्व

के आवाहन पर जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में जिला बेसिक अधिकारी कार्यालय पर विशाल धरने का आयोजन किया गया।

धरना 14 सूत्रीय माँग में सभी को पुरानी पेंशन की बहाली पे ग्रेड 17140 व 18150 का मूलवेतन,समय परिवर्तन सुबह 07 बजे से 12 बजे तक,पदोन्नति एवं चयन वेतनमान,अंतर्जनपदीय एवं अंत:जनपदीय स्थानांतरण,

सभी पोर्टल की त्रुटि का शुद्धीकरण एवं सामूहिक बीमा आदि की समस्याओं के लिए प्रत्येक जनपदों की भाँति जनपद गौतमबुधनगर में हजारों की संख्या में सम्मानित अध्यापकों ने विशाल धरने में एकता दिखाकर सरकार को स्पष्ट संदेश दिया है।

मण्डल अध्यक्ष मेघराज भाटी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें एक जुट होने की आवश्यकता है।पुरानी पेंशन हमारा अधिकार है।

जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने कहा कि आज अध्यापक का शोषण हो रहा है अब हमें अपने सम्मान की लड़ाई लड़ने का समय आ गया है।

जिला मंत्री गजन भाटी ने बताया कि आज का धरना प्रत्येक जनपद में किया गया है। माँग नहीं मानने पर हमारा प्रदेश नेतृत्व अग्रिम योजना पर कार्य कर रहा है। प्रदेश नेतृत्व के आदेशानुसार अग्रिम रणनीति पर कार्य किया जाएगा।

धरने में समस्त जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी ,समस्त तहसील प्रभारी / सहप्रभारी , समस्त अध्यक्ष संघर्ष समिति एवं सभी स्कूलों से सम्मानित शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

यूके के विश्वविद्यालय के छात्र ने किया एमिटी विश्वविद्यालय का दौरा

नोएडा (चेतना मंच)। संभावित सहयोग के विभिन्न आयामों पर चर्चा करने के लिए यूके के सक्सेस विश्वविद्यालय के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने एमिटी विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल में सक्सेस विश्वविद्यालय के ग्लोबल और सिविक इंगेजमेंट के प्रो वाइस चांसलर प्रो रॉबीन बनर्जी, ग्लोबल पाटर्नरशिप के प्रमुख पीटर बोडी, स्टूडेंट रिक्रूटमेंट और एडमिशन के निदेशक मारकस विलियम, वरिष्ठ अंर्तराष्ट्रीय अधिकारी सुश्री इसोबेल हसी और कंट्री अधिकारी सुश्री राधिका अरोरा शामिल थी।

ग्लोबल और सिविक इंगेजमेंट के प्रो वाइस चांसलर प्रो रॉबीन बनर्जी ने कहा कि एमिटी के पास बृहद शिक्षण व अनुसंधानिक पारिस्थितिकी तंत्र है जो अंत:विषयक एंव बहुविषयक पाठयक्रमों को सम्मिलित करता है। एमिटी और ससेक्स विश्वविद्यालय के मध्य एक गहरा तालमेल है क्योकी दोनो एक ही मूल्यों को साझा करते है। सक्सेस विश्वविद्यालय ने सीखने को नया आयाम दिया है जहां पर उन्नत विषयों जैसे वैश्विक स्वास्थय, जिनोम डैमेज एंड स्टेबिलिटी, माइग्रेशन, न्यूरोसांइसेस, एआई, क्वांटम तकनीकी, सतत विकास, ट्रेड पॉलीसी आदि पर शिक्षा प्रदान की जाती है। लगभग 2 लाख पूर्व छात्रों के साथ हम विश्व में लोगों से जुड़ रहे है। एमिटी के साथ हम काफी पहले से जुड़े है और कुछ विषयों में कार्य कर रहे है। इस भ्रमण का उददेश्य अन्य प्रमुख क्षेत्र जैसे इंजीनियरिंग, बायोतकनीकी में संभावित सहयोग पर विचार करना है।

एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिंदर सिंह ने कहा कि छात्र 85 प्रतिशत शिक्षण कक्षा के बाहर सीखते है। हम उन्हे भविष्य के वैश्विक नेता के रूप तैयार करने के लिए वैश्विक अनावरण प्रदान करते है जिससे वे अन्य देशों की संस्कृती एवं व्यापारिक गतिविधियों को समझे। एमिटी और सक्सेस विश्वविद्यालय के संबंध काफी पुराने है हम सक्सेस विश्वविद्यालय के साथ इंजीनियरिंग, बायोतकनीकी, एआई आदि विषयों पर संयुक्त अनुसंधान, डयूल डिग्री पाठयक्रम आदि पर कार्य करने के इच्छुक है। इसके अतिरिक्त एमिटी के इंडिया इर्मशन कार्यक्रम के अंर्तगत आपके छात्रों को आमंत्रित करगें और भारत की व्यापार, उद्योग, अनुसंधान, शिक्षण पद्धती आदि के बारे जानकारी प्रदान करते है। हम संयुक्त सम्मेलन, संयुक्त अनुसंधान पर भी विचार कर सकते है। इस अवसर पर एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती ने एमिटी द्वारा संचालित शोध पहलों की जानकारी प्रदान की। प्रतिनिधिमंडल ने एमिटी विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय, एमिटी स्कूल ऑफ कम्यूनिकेशन स्टूडियों आदि का दौरा किया।

अटेवा पुरानी पेंशन बहाली मंच ने जिला मुख्यालय पर निकला कैंडल मार्च

भदोही (ब्यूरो)। जिले के शिक्षक, कर्मचारी, पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या पर जिला मुख्यालय पर कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि सभा रखी।

अटेवा के जिला संयोजक रविंद्र सिंह ने कहा क्योंकि जब देश की एकता व अखंडता की बात आये तो हम सभी को एक साथ खड़ा होना चाहिए। जिला संरक्षक हरलाल सिंह ने कहा कि हमारी पुरानी पेंशन बहाली की लड़ाई जारी रहेगी जब तक सभी शिक्षक कर्मचारियों को पुरानी पेंशन मिल नहीं जातीहै।

कैंडल मार्च में कमलेश यादव अशोक कुमार जगबीर भाटी छत्रपाल रोहतास कुमार वीरेंद्र सिंह दीपक भाटी मनोज कुमार धर्मवीर राजीव कमलेश पुष्पेंद्र शर्मा पुष्पेंद्र शर्मा मुकेश गुप्ता मुकेश गुप्ता तेवतिया जगदीश राजकुमार नीरज सिंह। उषा नौरंगी सिंह रीता सोनिका, लोगों ने भाग लिया।

पृष्ठ एक के शेष....

गंगा एक्सप्रेस-वे ...

यह हवाई पटटी शाहजहांपुर जलालाबाद तहसील क्षेत्र के गांव पीरू में बनाई गई है। यहां पर दो दिनों तक एयरफोर्स के विमान अभ्यास करेंगे।

गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश का चौथा एक्सप्रेसवे है। यह देश का पहला ऐसा एक्सप्रेसवे है, जिसकी हवाई पट्टी पर वायुसेना के लड़ाकू विमान रात में भी उतर सकेंगे।

3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी पर राफेल, जगुआर, मिराज जैसे लड़ाकू विमानों की लैंडिंग होगी। नाइट लैंडिंग के दौरान कटरा-जलालाबाद हाईवे तीन घंटे तक पूरी तरह से बंद रहेगा। इस दौरान वैकल्पिक मार्गों से वाहन गुजारे जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस के साथ एटीएस कमांडो भी तैनात रहेंगे। हवाई पट्टी के पांच किमी क्षेत्र में आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था में चार एडिशनल एसपी, 14 सीओ, 30 इंस्पेक्टर, छह सौ से ज्यादा सिपाही, 360 होमगार्ड, सात कंपनी पीएसी के साथ ही एटीएस कमांडो मुस्तैद किए गए हैं। पूरा क्षेत्र नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है।

आगरा में ज्वैलर....

इसके 15 मिनट बाद ही दो नकाबपोश बदमाश मौके पर आ गए। कर्मचारी रेनू को तमंचा दिखाकर बैग में सोने चांदी के जेवरात रखकर भागने लगे।

इस दौरान दुकान मालिक योगेंद्र चौधरी आ गए। उन्होंने बदमाशों को टोक दिया। इस पर एक बदमाश ने तमंचे से निकलकर गोली मार दी। इसके बाद एक्टिवा पर सवार होकर फरार हो गए। पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मक्खी पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

पुलिस-बदमाशों में मुठभेड....

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली बिट्टू उर्फ प्रवेश पुत्र ज्ञान सिंह निवासी लोनी गाजियाबाद (24 वर्ष) तथा गोलू जाटव पुत्र हरगोविंद प्रसाद निवासी जिला महोबा (24 वर्ष) के पैर में लगी है। एक बदमाश नवीन पुत्र उधम सिंह मौके से भाग गया था। पीछा करके पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। इनके पास से पुलिस ने दो पिस्टल ,मैगजीन, कारतूस, एक देसी तमंचा, एक थार जीप, एक स्कॉर्पियो कार और एक बलेनों कार बरामद किया है।

पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये बदमाश लूटपाट और चोरी की वारदातें करते हैं। मुठभेड़ में गिरफ्तार बदमाश प्रवेश कसाना के ऊपर पूर्व में 10 मुकदमे दर्ज है। गोलू के ऊपर पूर्व में सात तथा नवीन के ऊपर तीन मुकदमे दर्ज हैं।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

सऊदी अरब ने अनधिकृत हज यात्रियों के लिए दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय ने हज परमिट नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों और उनके मददगारों के लिए दंड की घोषणा की है। मंत्रालय ने कहा कि यह दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू कर दी गई है। यह 10 जून तक प्रभावी रहेगी। बिना परमिट के हज करने या कराने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों पर सऊदी रियाल 20 हजार (5,331.43 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जाएगा। अरब न्यूज अखबार के अनुसार आंतरिक मंत्रालय ने साफ किया है कि विजिट वीजा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर एक लाख सऊदी रियाल तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह आर्थिक दंड उन सभी लोगों पर लागू होगा, जो यात्रा वीजा धारकों को निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों पर ले जाते हैं या ले जाने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों को होटल, अपार्टमेंट, निजी आवास, आश्रय या आवास स्थलों सहित किसी भी आवास में आश्रय देने वालों से भी यह आर्थिक दंड वसूला जाएगा। विशेष मामलों में आर्थिक दंड को और भी बढ़ाया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित अदालत से अनुरोध किया जाएगा कि वह निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों तक यात्रा वीजा धारकों के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों को जब्त कर ले, यदि उनका स्वामित्व ट्रांसपोर्टर, सुविधाकर्ता या किसी सहयोगी के पास है।

इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने की इस्तीफे की घोषणा, 15 जून को पद छोड़ देंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने इस्तीफे की घोषणा की है। वह 15 जून को पद छोड़ देंगे। बार की यह घोषणा कतरगेट की जांच के दौरान आई है। शिन बेट पर सात अक्टूबर के हमास के हमलों को रोकने में विफलता का आरोप भी लग चुका है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस विफलता की सार्वजनिक जांच कराने की घोषणा भी कर चुके हैं। इजराइल की वेबसाइट वाई नेट न्यूज के अनुसार, शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने मेमोरियल डे कार्यक्रम से एक दिन पहले सोमवार शाम घोषणा की कि वह 15 जून को अपना पद छोड़ देंगे। नेतन्याहू ने पूर्व में उन्हें हटाने की कोशिश भी की थी। विश्लेषकों का कहना है कि इजराइल में आतंकवाद-रोधी जांच का जिम्मा संभालने वाली शिन बेट नेतन्याहू की दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार के विरुद्ध बढ़ते राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में रही है। नेतन्याहू ने 16 मार्च को कहा था कि वह काफी पहले रोनेन बार पर भरोसा खो चुके हैं। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रोनेन बार को बर्खास्त करने के सरकार के प्रयास पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। रोनेन ने दावा किया था कि नेतन्याहू उन्हें इसलिए बर्खास्त करना चाहते हैं, क्योंकि उन्होंने इजराइली प्रदर्शनकारियों की जासूसी करने और भ्रष्टाचार के मुकदमे को बाधित करने समेत विभिन्न आग्रहों को मानने से इनकार कर दिया था। इन आरोपों के जवाब में नेतन्याहू ने रोनेन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था।

स्पेन और पुर्तगाल में भीषण ब्लैकआउट, साइबर हमले की आशंका खारिज

मेड्रिड, एजेंसी। स्पेन की विद्युत ग्रिड संचालन कंपनी आरईई ने मंगलवार को कहा कि उनकी प्रारंभिक जांच में हाल ही में हुए व्यापक ब्लैकआउट के पीछे किसी साइबर हमले की आशंका को खारिज कर दिया है। सोमवार की दोपहर 12:33 बजे (स्थानीय समय) स्पेन और पुर्तगाल के अधिकांश हिस्सों में अचानक बिजली गुल हो गई थी, जो इस क्षेत्र के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बिजली संकट माना जा रहा है। आरईई के सिस्टम ऑपरेशंस प्रमुख एडुआर्डो प्रियेतो ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह संकट दक्षिण-पश्चिमी स्पेन में बिजली उत्पादन के भारी नुकसान के कारण उत्पन्न हुआ। इसने पूरे सिस्टम में अस्थिरता पैदा की, जिससे फ्रांस के ग्रिड से कनेक्शन टूट गया। प्रियेतो ने यह भी कहा कि प्रभावित उत्पादन यूनिट संभवतः सौर ऊर्जा आधारित हो सकती है।

पाकिस्तान को जासूसों ने किया आगाह, भारत कभी भी कर सकता है सैन्य कार्रवाई, 24 से 36 घंटे बेहद अहम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की हुकूमत को उसके जासूसों ने आगाह किया है। जासूसों ने कहा है कि यह चौकन्ना रहने का वक्त है। भारत कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। आने वाले 24 से 36 घंटे बेहद अहम हैं। जासूसों की यह चेतावनी भारत के जम्मू-कश्मीर के पर्यटक स्थल पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद आई है। सूचनामंत्री अताउल्लाह तरार ने माना है कि संघीय सरकार को ऐसी खुफिया रिपोर्ट मिली है। इस पर अविश्वास का कोई कारण नहीं है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, सूचनामंत्री तरार ने आज सुबह कहा कि विश्वसनीय खुफिया रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि भारत दोनों देशों के बीच तनाव के बीच अगले 24 से 36 घंटों में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की योजना बना रहा है।

इजरायल के बाद एक और शक्तिशाली देश ने किया भारत के समर्थन का ऐलान

लंदन, एजेंसी। इजरायल के बाद अब यूनाइटेड किंगडम ने पहलगाम आतंकी हमले में भारत का साथ देने का ऐलान कर दिया है। जो पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा झटका है। ब्रिटेन की सरकार ने देश की संसद में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई में हम भारत के साथ हैं। ब्रिटिश सरकार ने देश की संसद में बताया है कि ÷पहलगाम आतंकी हमले के अपराधियों को पकड़ने में भारत को हमारा पूरा समर्थन है÷। उसने यह भी कहा कि ÷भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए ब्रिटेन ÷अपनी पूरी राजनयिक भूमिका निभाना चाहता है÷। आपको बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का असर लंदन की सड़कों पर भी दिख रहा है, जहां भारत और पाकिस्तान मूल के नागरिक बार बार सड़कों पर आ रहे है। हाउस ऑफ कॉमन्स में विदेश कार्यालय के मंत्री हैमिश फाल्कनर ने कहा कि ÷यह जरूरी है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले की ठीक से जांच करें और अपराधियों पर फोकस करें।÷ ब्रिटिश सरकार ने कहा कि ÷यह बहुत जरूरी है कि ब्रिटेन में हम सभी, जो समुदाय के स्तर पर प्रभावशाली पदों पर हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करें कि यह तनाव ब्रिटिश सड़कों पर न फैले। एक भयानक आतंकवादी हमला हुआ है... हम पाकिस्तानियों से आग्रह करते हैं कि वे जांच

में भारतीय सरकार का पूरा सहयोग करें। फाल्कनर, पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले पर एक बहस के दौरान बोल रहे थे। यह बहस लेबर पार्टी के सांसद गुरिंदर सिंह जोसन के एक सवाल के बाद शुरू हुई थी। जिसमें उन्होंने पूछा था कि इस आतंकी हमले को लेकर ब्रिटिश सरकार का स्टैंड क्या है? इस पर फाल्कनर ने कहा कि ÷दोनों देश आपस में बात कर रहे हैं, जो अच्छी बात है। भारत को अपनी सुरक्षा की चिंता होना स्वाभाविक है, क्योंकि यह एक भयानक घटना है। भारत इस घटना के तथ्यों को स्थापित करने की पूरी कोशिश कर रहा है और उसे इसमें ब्रिटेन का समर्थन मिलेगा।÷ हालांकि फाल्कनर ने यह बताने से इनकार कर दिया कि ब्रिटेन की सुरक्षा एजेंसियों को इस बारे में अभी तक क्या पता है कि हमलों के पीछे कौन है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और भारत के उच्चायोगों को ÷ब्रिटेन सरकार से पूरी सुरक्षा मिलेगी ताकि वे सुरक्षित रहें। वहीं जम्मू और कश्मीर में जन्मे एक शख्स, जिसका नाम अंकित लव है, उसपर रविवार को पाकिस्तान के उच्चायोग में खिड़कियां तोड़ने का आरोप लगा है, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। उसे सोमवार को अदालत में पेश किया गया। आपको बता दें कि अंकित लव पर भारतीय सरकार ने 2022 में भारतीय उच्चायोग पर अंडे और पत्थर फेंकने के आरोप में ब्लैकलिस्ट कर दिया था। फाल्कनर ने ब्रिटेन की संसद में सांसदों को बताया कि उन्हें एक पाकिस्तानी राजनयिक के गले काटने के इशारे वाले वीडियो के बारे में पता है। फाल्कनर ने कहा, ÷मेट्रोपॉलिटन पुलिस इसकी जांच कर रही है, इसलिए मैं इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन यह निश्चित रूप से चिंताजनक है।

आईएसपीआर के डीजी ने पाकिस्तान में भारत प्रायोजित आतंकवाद के सबूत पेश किए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत द्वारा पाकिस्तान में किए जा रहे ‘राज्य प्रायोजित आतंकवाद’ के सबूत पेश किए। कहा गया कि पाकिस्तान के पास भारत द्वारा देश में फैलाए जा रहे आतंकवाद के सबूत हैं लेकिन भारत जो पहलगाम हमले का आरोप पाक पर लगा रहा है, उसके समर्थन में वह कोई ठोस प्रमाण नहीं दे सका है। पत्रकार वार्ता की शुरुआत में जनरल चौधरी ने कहा कि यह ब्रीफिंग विशेष रूप से एक अहम मसले पर स्थानीय और विदेशी मीडिया को पाकिस्तान का पक्ष स्पष्ट करने के लिए बुलाई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत सीमा पार आतंकवाद में संलिप्त है और पाकिस्तान की संप्रभुता को कमजोर करने के लिए आतंकी नेटवर्कों का संचालन कर रहा है। आईएसपीआर के डीजी ने बताया कि भारत पाकिस्तान के अंदर बारूदी सुरंगें (आईईडी), विस्फोटक सामग्री और अन्य हथियार पहुंचाकर आतंकवादियों को सुरक्षा बलों और आम नागरिकों पर हमले के लिए उकसा रहा है। उन्होंने कहा कि ये सबूत भारत की लंबे समय से चली आ रही पाकिस्तान-विरोधी नीति का हिस्सा हैं, जो राज्य प्रायोजित आतंकवाद के रूप में सामने आ रही है।

भारत से तनाव बढ़ने के बीच पीटीआई ने जेल में बंद अपने नेता इमरान खान को रिहा करने की मांग उठाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि निलंबित किये जाने से तिलमिलाए पाकिस्तान में प्रमुख विपक्षी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने जेल में बंद अपने नेता इमरान खान की रिहाई की मांग की है, ताकि वह भारत के साथ बढ़ते तनाव पर राष्ट्रीय विचार-विमर्श में हिस्सा ले सकें। पार्टी ने राजनीतिक नेतृत्व से तत्काल बहुदलीय सम्मेलन बुलाने का भी आह्वान करके उसमें खान को भी शामिल करने की मांग भी की है। डॉन अखबार के अनुसार यह मांग सोमवार को सीनेट में की गई। सीनेट में दोनों पक्षों के सांसदों ने सिंधु जल संधि निलंबित करने और 22 अप्रैल के हमले के बाद युद्ध उन्माद को बढ़ावा देने के लिए भारत की आलोचना की। सीनेट में पीटीआई के संसदीय नेता सीनेटर अली जफर ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे के लिए राजनीतिक मतभेदों को अलग रखना चाहिए। वर्तमान परिस्थितियों में बहुदलीय सम्मेलन ही एकमात्र उपाय है। अगर इमरान खान को ऐसी बैठक में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाती है, तो इससे दुनिया भर में यह संदेश जाएगा कि पाकिस्तान एकजुट है। पीटीआई सीनेटर शिबली फराज ने कहा कि इमरान खान को मीनार-ए-पाकिस्तान में सार्वजनिक सभा करने और भारत के साथ वाघा सीमा की ओर मार्च करने के लिए लोगों को आह्वान करने के लिए टीवी पर आने की अनुमति दी जानी चाहिए। फराज ने विश्वास व्यक्त किया कि खान के आह्वान पर 10 मिलियन से अधिक लोग एकत्र होंगे। उन्होंने कहा कि केवल लोगों का सच्चा प्रतिनिधि ही भारत को एक मजबूत संदेश दे सकता है। उन्होंने सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने की प्रथा को खत्म करने की भी मांग की।

कनाडा चुनाव 2025: मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी चौथी बार सत्ता में, बहुमत से कुछ कदम दूर

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में हुए संघीय चुनावों में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी ने लगातार चौथी बार सरकार बनाने की दिशा में सफलता प्राप्त की है।

हालांकि, पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, फिर भी यह परिणाम उनके लिए एक महत्वपूर्ण वापसी को दर्शाता है, विशेषकर तब जब कुछ समय पहले तक वे विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी से काफी पीछे चल रहे थे। लिबरल पार्टी ने 343 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में 165 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि 4 सीटों पर आगे चल रही है। जो बहुमत के लिए आवश्यक 172 सीटों से थोड़ा कम है। इसके बावजूद, यह परिणाम पार्टी के लिए उत्साहजनक है, क्योंकि उन्होंने ओंटारियो और क्यूबेक जैसे प्रमुख प्रांतों में मजबूत प्रदर्शन किया। वहीं, चुनाव में कंजरवेटिव पार्टी मुख्य विपक्ष के रूप में उभरी है, जिसने लगभग 140 सीटें जीती हैं और 4 सीट पर आगे चल रही है। जबकि ब्लॉक क्यूबेकॉइस ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने छह सीट पर जीत के साथ एक पर आगे चल रही है। ग्रीन पार्टी ऑफ कनाडा को भी एक सीट पर जीत मिली है। कनाडा चुनाव में अब भी विशेष मतपत्रों की गिनती जारी है।

पहलगाम घटना पर चीन ने पड़ोसी देशों में बढ़ाई कूटनीतिक सक्रियता

काठमांडू, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जहां अमेरिका और रूस जैसी विश्व शक्तियों ने भारत के पक्ष में होने का संदेश दिया है, वहीं चीन ने अपने तेवर बदलते हुए पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाया है। पाकिस्तान द्वारा पहलगाम घटना की जांच का विषय उठाने के बाद चीन ने अपना समर्थन दिया है। इतना ही नहीं चीन ने इस विषय पर भारत के पड़ोसी देश में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। पहलगाम हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत के हर कदम का समर्थन करने की घोषणा करने वाले नेपाल पर चीन ने दबाव देना शुरू किया है। नेपाल में चीन के राजदूत की सक्रियता सिर्फ सरकार ही नहीं राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात इसी ओर संकेत कर रहा है। पिछले दो दिनों में नेपाल में चीन के राजदूत छन सोंग ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा, माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड और विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा से गुपचुप मुलाकात की है। हालांकि पहलगाम घटना के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन संवाद कर अपनी संवेदना प्रकट करते हुए घटना की कड़ी निंदा की थी। नेपाल सरकार के तरफ से भी बयान जारी करते हुए पहलगाम आतंकी घटना की निंदा करते हुए आतंकवाद को किसी बहाने समर्थन नहीं किए जाने की बात स्पष्ट की थी। लेकिन नेपाल में चीन की सक्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नेपाल सरकार के बयान के ठीक विपरीत संसद में सत्तारूढ़ दल के नेता अलग ही बयान दे रहे हैं। पहलगाम घटना पर अपनी पार्टी का पक्ष रखते हुए नेपाली कांग्रेस के प्रमुख सचेतक श्याम घिमिरे ने कहा कि उनकी पार्टी दक्षिण एशिया में बढ़ रहे तनाव और संभावित युद्ध से चिंतित है। नेपाली कांग्रेस यह

मानती है कि सभी द्वंद का समाधान वार्ता से संभव है। इतना ही नहीं घिमिरे ने यह भी स्पष्ट किया कि नेपाल किसी भी देश के पक्ष में खड़ा नहीं रहेगा और ना ही युद्ध जैसी स्थिति में वो किसी सैन्य गठबंधन का हिस्सा बनेगा। नेपाली कांग्रेस पार्टी के तरफ से संसद में इस तरह का बयान भारत के लिए चिंता का विषय है। नेपाल की कम्यूनिष्ट पार्टी के साथ सत्ता गठबंधन में रहे डेमोक्रेटिक विचारधारा वाली पार्टी का यह बयान चिंताजनक है। माना जा रहा है कि चीन के दबाव में ही कांग्रेस का इस तरह का बयान आया है।

चीन के लियाओनिंग रेस्तरां में आग लगी, 22 लोगों की मौत : बीजिंग, एजेंसी। पूर्वोत्तर चीन के लियाओनिंग प्रांत के लियाओयांग शहर में मंगलवार दोपहर 12:25 बजे लियाओनिंग रेस्तरां में आग लग गई। इस दौरान 22 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य झुलस गए। इस संबंध में रेस्तरां के प्रभारी को हिरासत में लिया गया है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार सूचना मिलते ही राहत और बचाव अभियान के लिए 22 दमकल गाड़ियां और 85 अग्निशमन कर्मी भेजे गए। अभियान के दौरान आसपास के निवासियों को सुरक्षित निकाला गया। राहत और बचाव अभियान पूरी हो गया है। झुलसे लोगों को नजदीकी अस्पताल में भेजा गया। लियाओयांग शहर चीन की राजधानी बीजिंग से लगभग 580 किलोमीटर (360 मील) उत्तर-पूर्व में है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि इस हादसे में काफी लोग हताहत हुए हैं। इससे मिले सबक बेहद गंभीर हैं। यह रेस्तरां दो मंजिला बताया गया है। इसी महीने उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई थी।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया का साया, रिपोर्ट जारी की, किया बदलाव का वादा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान हार्वर्ड विश्वविद्यालय पिछले कुछ समय से यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया की गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की मंगलवार को सार्वजनिक की गई रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। हार्वर्ड ने इसमें बदलाव का वादा किया है। उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड ने पिछले दिनों फंड में कटौती का विरोध करते हुए ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया था। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया पर रिपोर्ट के बाद बदलाव का वादा किया है। यह दोनों रिपोर्ट हार्वर्ड टास्क फोर्स ने जारी की हैं। हार्वर्ड टास्क फोर्स ने कहा है कि यहूदी विरोधी भावना ने पाठ्यक्रम, सामाजिक जीवन, कुछ संकाय सदस्यों की नियुक्ति और कुछ शैक्षणिक कार्यक्रमों के वैश्विक दृष्टिकोण में घुसपैठ कर ली है। हार्वर्ड टास्क फोर्स ने कैंपस में अरब विरोधी, मुस्लिम विरोधी और फिलिस्तीन विरोधी पूर्वाग्रह पर एक अलग रिपोर्ट भी जारी की है। इसमें कहा गया है कि अधिकांश मुस्लिम विद्यार्थियों को

अपने राजनीतिक विचारों को व्यक्त करने के लिए शैक्षणिक या पेशेवर दंड का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन कैंपस में यहूदी विरोधी भावना के आरोपों की जांच कर रहा है।

विश्वविद्यालय संघीय निधि में अरबों डॉलर वापस लेने का विरोध कर रहा है। द बोस्टन ग्लोब की खबर के अनुसार, इस रिपोर्ट के आने के बाद अरब और मुस्लिम विद्यार्थियों ने कहा कि कैंपस में उन्हें दोयम दर्जे के नागरिक जैसा महसूस होता है। साथी उन्हें संदेह की दृष्टि से देखते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन के साथ अपने असाधारण टकराव के बीच दोनों रिपोर्ट मंगलवार को जारी की हैं। दोनों रिपोर्ट पिछले साल शरद ऋतु में जारी की जानी थी। ट्रंप प्रशासन ने 19 अप्रैल को मांग की थी कि हार्वर्ड यहूदी विरोधी रिपोर्ट से संबंधित सभी दस्तावेज सौंपे। उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय मैसाचुसेट्स राज्य के कैम्ब्रिज शहर में स्थित है। यह एक निजी शोध विश्वविद्यालय है और आईवी लीग का सदस्य है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्च शिक्षा का सबसे पुराना संस्थान है। इसकी स्थापना 1636 में हुई थी। यहां पढ़ चुके कई लोगों को नोबेल और पुलित्जर पुरस्कार मिल चुका है। फेसबुक संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी यहां के छात्र रहे हैं।

मेहुल चोकसी ने बेल्जियम कोर्ट में दायर की नई याचिका, गिरफ्तारी को बताया अवैध और अन्यायपूर्ण

ब्रुसेल्स, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपित और भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी ने बेल्जियम की अपीलीय अदालत में एक नई याचिका दायर की है, जिसमें उसने अपनी गिरफ्तारी को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन और प्रक्रियागत अनियमितताओं के आधार पर चुनौती दी है। अदालत ने इस मामले में फिलहाल सुनवाई स्थगित कर दी है। चोकसी की ओर से यह याचिका उनके अधिवक्ता विजय अग्रवाल द्वारा तैयार की गई है और बेल्जियम में नियुक्त उनकी कानूनी टीम ने इसे अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। याचिका में दावा किया गया है कि भारतीय प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद उसकी गिरफ्तारी के दौरान बेल्जियम अधिकारियों ने निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया और उसे मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया। अधिवक्ता विजय अग्रवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा, मेरे मुवक्किल के साथ न्यायिक प्रक्रिया में न केवल लापरवाही बरती गई, बल्कि उसे उसके मौलिक अधिकारों से भी वंचित किया गया। यह गिरफ्तारी प्राकृतिक न्याय के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। चोकसी

ने याचिका में यह भी मांग की है कि उसे तत्काल रिहा किया जाए क्योंकि उसकी गिरफ्तारी गैर-कानूनी और असंवैधानिक थी। यह नई अपील तब दायर की गई है जब कुछ ही दिन पहले बेल्जियम की एक अदालत ने 13,500 करोड़ रुपये के पीएनबी धोखाधड़ी मामले में उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उस समय अदालत ने तीन जजों की पीठ के सामने डच भाषा में दलीलें सुनी थीं। उल्लेखनीय है कि बेल्जियम में इसी माह की शुरुआत में मेहुल चोकसी को भारतीय अधिकारियों के आधिकारिक प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद गिरफ्तार किया गया था। अदालत की अगली सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

कनाडा ने लिबरल पार्टी को दिया जनादेश, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का सबको साथ लेकर चलने का वादा

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कड़े टैरिफ को लेकर मची उथल-पुथल के बीच हुए संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी लगातार चौथी बार सरकार बनाती दिख रही है। हालांकि वह बहुमत के आंकड़े से कुछ दूर है। कार्नी ने मतगणना में लिबरल पार्टी की निर्णायक बढ़त के दौरान अपने पहले भाषण में सबको साथ लेकर चलने का वादा किया। अपने विजय भाषण में मार्क कार्नी ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। वह कनाडा पर कब्जा करना चाहते थे। अब ऐसा कभी नहीं होगा। कनाडा के निर्वाचन आयोग ने दोपहर ढाई बजे मतगणना के रुझान जारी किए। आयोग के अनुसार, कार्नी की लिबरल पार्टी 168, कंजर्वेटिव पार्टी 144, ब्लॉक क्यूबेकॉइस 23, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी सात और ग्रीन पार्टी एक सीट पर आगे चल रही है। सीटीवी न्यूज के अनुसार, लिबरल पार्टी 45वें संसदीय चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। मतगणना के रुझानों में अब परिवर्तन होने की संभावना ना के बराबर है। हाउस ऑफ कॉमन्स में 343 सीटें हैं। बहुमत की सरकार बनाने के लिए किसी भी दल को 172 सीटों की जरूरत होती है। कार्नी ने आज सुबह ओटावा में अपने समर्थकों से कहा, मैंने राजनीति को इसलिए चुना, क्योंकि मुझे लगा कि देश को बड़े बदलाव की जरूरत है। यह बदलाव मजबूत कनाडाई मूल्यों के आधार पर होने चाहिए। यह मूल्य हैं- विनम्रता, महत्वाकांक्षा और एकता। उन्होंने कहा कि इन मूल्यों के बिना कोई भी बदलाव निरर्थक है। प्रधानमंत्री कार्नी ने कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिव्रे को चुनाव में कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी। चुनाव नतीजों पर एंगस रीड इंस्टीट्यूट (पोलिंग फर्म) के अध्यक्ष शाची कुर्ल की प्रतिक्रिया सामने आई है। कुर्ल के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ का कड़ा जवाब देना कार्नी के लिए चुनाव में फायदेमंद रहा। कार्नी ने टैरिफ को लेकर वाशिंगटन के साथ सख्त रुख अपनाने का वादा किया था। इस चुनाव में कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प ने लिबरल पार्टी की जीत का अनुमान लगाया था। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि वे कनाडा में निर्मित कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ा सकते हैं। 51वां राज्य बनाने के लिए आर्थिक बल का उपयोग कर सकते हैं। कनाडा में चुनाव के वक्त भी सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने के अपने आह्वान को दोहराया। सीटीवी न्यूज का कहना है कि कनाडा की दो छोटी पार्टियां न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और ब्लॉक क्यूबेकॉइस सरकार बनाने पर लिबरल पार्टी का साथ दे सकती हैं।

आईपीएल में आज गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद में होगी टक्कर

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। गुजरात का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत के साथ ही पिछले मैच में मिली हार से उबरकर प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत करना रहेगा। पिछले मैच में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी के कारण उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। गुजरात की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अब तक काफी अच्छा रहा है, ऐसे में अब वह सनराइजर्स के खिलाफ मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इस सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी हर क्षेत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स सनराइजर्स की राह इसलिए भी कठिन नजर आती है क्योंकि उसकी ताकत बल्लेबाजी है जिसमें ही वह अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। वहीं गुजरात ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। उसके पास शुभमन गिर और साई सुदर्शन जैसे बल्लेबाज हैं। सुदर्शन ने इस सत्र में अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं।

गुजरात टीम नौ मैचों में छह जीत के साथ 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। उसे बाकी पांच मैचों में से सिर्फ दो जीतने होंगे जिससे की प्लेआफ में पहुंचने के लिए उसे 16 अंक मिल जायें। गुजरात के सुदर्शन ने अब तक पांच अर्धशतक समेत 456 रन बनाये हैं। वहीं शुभमन ने 389 और जोस बटलर ने 406 रन बनाए हैं।

गेंदबाजी में गुजरात के पास प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और ईशांत शर्मा जैसे तेज गेंदबाज हैं। कृष्णा ने इस स्रत में अब तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं और उनका सामना करना सनराइजर्स के लिए आसान नहीं रहेगा।

उसके पास स्पिनर के तौर पर राशिद खान और वॉशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज हैं जबकि सनराइजर्स अब तक नौ में से सिर्फ तीन मैच जीतकर तालिका में नौवे स्थान पर है। एक और हार से वह प्लेआफ से बाहर होगी। सनराइजर्स के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर इनमें निरंतरता की

कमी रही है। शीर्षक्रम के विफल होने से मध्यक्रम पर दबाव बना है जिससे हेनरिक क्लासेन, नीतिश कुमार रेड्डी और ईशान किशन रन नहीं बना पा रहे।

पिछले दो मैचों में अभिषेक दो अंक तक भी नहीं पहुंच सके जबकि हेड ने 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है। गेंदबाजी की बात करें तो कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज भी विफल रहे हैं। अब तक केवल पे हर्षल पटेल ने ही प्रभावित किया है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में गुजरात का पलड़ा भारी नजर आता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद = पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

गुजरात टाइटंस =शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएट्जी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़ और करीम जनत।

बेंगलुरु में माली से ज्यादा पेड़ लगा चुके हेजलवुड : इयोन मॉर्गन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन की सराहना की है। 14 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज आरसीबी प्लेऑफ में जगह पक्की करने की दौड़ में सबसे आगे है। मॉर्गन का मानना है कि आरसीबी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को शामिल कर कई बड़े लक्ष्य हासिल किए हैं। शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले दक्षिणी डर्बी में आरसीबी दो अंक हासिल करने की प्रबल दावेदार है, खासकर जब सीएसके पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है।

मॉर्गन ने कहा कि आरसीबी ने शीर्ष और मध्य क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी की मानसिकता अपनाई है, जो उन्हें मजबूती दे रही है। उनकी गेंदबाजी, खासकर हेजलवुड का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। हेजलवुड ने अपनी शानदार लाइन और लेंथ के साथ दस मैचों में 17.27 की औसत और 8.44 की इकॉनमी रेट से 18 विकेट लिए, जिससे वह टूर्नामेंट के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। पारी के अंतिम ओवरों में उनकी 8.2 की इकॉनमी रेट के साथ छह विकेट उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाते हैं।

मॉर्गन ने मजाकिया अंदाज में कहा कि लोग कहते हैं कि हेजलवुड ने बेंगलुरु में माली से ज्यादा पेड़ लगाए हैं। लेकिन यह प्रभावशाली है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट गेंदबाजों में से एक ने खुद को मल्टी-फॉर्मेट खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया, जैसा कि उन्होंने 2021 में सीएसके के साथ किया था। मॉर्गन ने आरसीबी की मेगा नीलामी रणनीति की भी तारीफ की, जिसमें अनुभवी भारतीय खिलाड़ियों जैसे देवदत्त पडिक्कल, क्रुणाल पांड्या, जितेश शर्मा और भुवनेश्वर कुमार को शामिल किया गया। इन खिलाड़ियों के साथ-साथ विराट कोहली और कप्तान रजत पाटीदार ने कई मौकों पर टीम को जीत दिलाई।

सात्विक-चिराग को खेल रत्न, खेलमंत्री मांडविया से मिला विशेष पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बैडमिंटन सितारे सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार प्रदान किया। सात्विक और चिराग को पिछले साल यह सम्मान मिला था लेकिन खेल में व्यस्त होने के कारण वे राष्ट्रपति भवन में सम्मान लेने नहीं जा सके।

उन्हें फरवरी में खेलमंत्री से सम्मान लेना था लेकिन सात्विक के पिता आर कासी विश्वनाथम का दिल का दौरा पड़ने से निधन होने के कारण उसे स्थगित करना पड़ा। मांडविया ने एक्स पर दोनों खिलाड़ियों के साथ तस्वीर साझा करके लिखा, 'हमारे बैडमिंटन चैम्पियन चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी को आज दिल्ली में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार 2023 प्रदान किया।'

उन्होंने लिखा, 'यह पुरस्कार कोर्ट पर उनके शानदार प्रदर्शन और प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं।' सात्विक और चिराग ने 2022 एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों और 2023 एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते। दोनों बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर रहने वाली और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय जोड़ी थी।

चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गये हैं। चहल ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में हैट्रिक लगायी। इससे पहले उन्होंने 2022 आईपीएल में भी हैट्रिक लगायी थी। उनकी दूसरी हैट्रिक इसलिए भी अहम है क्योंकि सीएसके के खिलाफ आईपीएल में पहली बार कोई गेंदबाज हैट्रिक लगा पाया है। चहल ने ये हैट्रिक 19वें ओवर में लगायी। चहल ने ओवर की दूसरी गेंद पर कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी का विकेट लिया। तीसरी गेंद पर दीपक हुड्डा ने दो रन लिए पर चौथी गेंद पर चहल ने उन्हें आउट कर दिया। उसके बाद चहल ने बाकि की दो गेंदों पर अंशुल कंबोज और नूर अहमद को आउट कर हैट्रिक बनायी।

युजवेंद्र चहल की यह आईपीएल में दूसरी हैटट्रिक थी। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हैटट्रिक लगायी थी। तब उन्होंने श्रेयस अय्यर, शिवम मावी और पैट कमिंस को आउट किया था। अब चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा बार हैटट्रिक लेने के मामले में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। दोनों के नाम आईपीएल में 2-2 हैटट्रिक हैं। इनसे ज्यादा सिर्फ अमित मिश्रा ने ही हैट्रिक लिए हैं। मिश्रा ने आईपीएल में यह कारनामा 3 बार किया है।

सीएसके बनी आईपीएल के 18 वें सत्र से बाहर होने वाली पहली टीम

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम आईपीएल के 18 वें सत्र से बाहर होने वाली पहली टीम बन गयी है। पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मैदान में हार के साथ ही उसका प्लेऑफ का सफल समाप्त हो गया है। सीएके के लिए ये सत्र अच्छा नहीं रहा और उसे केवल दो मैचों में ही जीत मिली। वहीं अपने ही घरेलू मैदान पर लगातार पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा हालांकि सीएसके ने सत्र की शुरुआत जीत के साथ की थी। उसे अपनी ही धरती पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी, दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद के बाद पंजाब किंग्स ने भी हराया है। आईपीएल इतिहास में सीएसके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही है।.

रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होकर बाहर होने के बाद महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी चाहिये थी पर वह इसमें सफल नहीं रही। अब उसे लीग स्तर पर केवल चार मैच और खेलने हैं। उसमें भी वह अगर सभी जीत ले तो भी उसके अधिक से अधिक 12 अंक ही रहेंगे। जिस उसके पास आगे जाने का कोई रास्ता नहीं है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में युजवेंद्र चहल की हैट्रिक के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाते हुए 72 रन बनाये। वहीं प्रभसिमरन सिंह ने भी 54 रनों की पारी खेली जिससे पंजाब को जीत हासिल करने में परेशानी नहीं आई। इस जीत के साथ ही पंजाब किंग्स एक बार फिर अंक तालिका में छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। पंजाब किंग्स के अब छह जीत से 13 अंक हो गये हैं। वहीं आरसीबी के 14 अंक हैं और वह दूसरे नंबर पर है। वहीं सीएसके की टीम लगातार पांचवीं हार के के साथ ही सत्र से बाहर हो गयी है। 10 मैच में दो जीत से उसके केवल चार अंक ही हैं।

आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं ये चार टीमें

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के 18 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी), पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ में शामिल हुई शीर्ष चार टीमें हैं। आरसीबी -रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अब तक 10 में से 7 मैच 14 अंक हासिल किये हैं। आरसीबी की नजरें प्लेऑफ का टिकट हासिल कर शीर्ष-2 में बने रहने पर होगी ताकि उन्हें फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिले। टीम के अब 4 मैच बाकी है, एक से ज्यादा जीत से वह प्लेऑफ में पहुंच सकेगीदेगी। वहीं टीम 3 मैच जीतकर शीर्ष-2 में रहना चाहेगी। पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर की पंजाब किंग्स 10 में से 6 मैच जीती है, केकेआर के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। उसके अब तक 13 अंक है। दाके अब प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए 2 और मैच जीतने होंगे जिससे कि उसके 16 अंक से ऊपर हो जाएं। वहीं टॉप-2 में बने रहने के लिए उन्हें तीन मैच जीतने की जरूरत है। मुंबई इंडियंस- खराब शुरुआत से उबरते हुए मुंबई 10 में से 6 मैच जीतकर अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है, उसने 6 में से लगातार 5 मैच जीते हैं। उसके 16 अंक तक पहुंचने के लिए बचे 4 में से 2 मुकाबले जीतने होंगे। शीर्ष-2 के लिए उसकी टक्करी आरसीबी और पंजाब किंग्स से होगी। गुजरात टाइटंस- गुजरात की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। गुजरात के 9 मैचों में 12 अंक है। टीम को अभी 6 और मुकाबले खेलने हैं।

ग्लेन मैक्सवेल फेक्कर के कारण आईपीएल 2025 से बाहर, पंजाब किंग्स ने की घोषणा

चेन्नई । पंजाब किंग्स के आस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल ऊंगली में फ्रेक्चर के कारण आईपीएल के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। उनकी टीम ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। मैक्सवेल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बारिश के कारण धुले पिछले मैच से पहले चोट लगी थी। उस मैच में वह 7 रन बनाकर आउट हो गए थे। उनकी जगह चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कल रात को सूर्यांश शेडगे ने खेला जिसमें पंजाब को चार विकेट से जीत मिली। पंजाब किंग्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडिल पर लिखा, 'ग्लेन मैक्सवेल ऊंगली में फ्रेक्चर के कारण सत्र के बाकी मैचों से बाहर। हम उन्हें जल्दी स्वस्थ होने की कामना करते हैं।' मैक्सवेल के साथी ऑस्ट्रेलियाई और पंजाब किंग्स के क्रिकेटर मार्कस स्टोइनिस ने चेन्नई के खिलाफ मैच से पहले 'जियोस्टार' से कहा था, 'बदकिस्मती से मैक्सवेल की ऊंगली में फ्रेक्चर हो गया है। उसे लगा नहीं था कि चोट इतनी गंभीर होगी लेकिन यह है। उसका स्कैन कराया गया और नतीजा अच्छा नहीं है। लगता है कि वह अब आगे इस टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेगा।' पंजाब के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा, 'हम विकल्प पर फैसला लेंगे।' उन्होंने कहा, 'अभी हमें कुछ मैच और खेलने हैं। अभी हम उपलब्ध खिलाड़ियों में से ही विकल्प तलाश रहे हैं। हमारे पास अजमतुल्लाह उमरजइ, आरोन हार्डी और जेवियर बार्टलेट है। हम हालात के अनुरूप टीम संयोजन बनाते हैं।'

भारतीय महिला हॉकी टीम का खराब प्रदर्शन जारी, ऑस्ट्रेलिया से 0-2 से हारी

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बृहस्तिवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने तीसरे मैच में 0-2 की शिकस्त से पहले मेजबान टीम को कड़ी टक्कर दी। कर्टनी शोनेल (नौवें मिनट) ने पहले क्वार्टर में मेजबान टीम के लिए पहला गोल किया जबकि ग्रेस स्टीवर्ट ने 52वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। इससे पहले मेहमान टीम को ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ शुरुआती दो मैच में 3-5 और 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। बृहस्पतिवार का मुकाबला भारत का ऑस्ट्रेलिया की मुख्य टीम के खिलाफ पहला मैच था।

शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलिया ने भारत के डिफेंस पर कड़ा दबाव बनाया और शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन इसे गोल में तब्दील नहीं कर सके। आखिरकार ऑस्ट्रेलिया ने नौवें मिनट में गतिरोध तोड़ा जब शोनेल ने गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। मेजबान टीम ने एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन टीम इस पर भी गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने वापसी का प्रयास किया और लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन मेहमान टीम बराबरी हासिल नहीं कर पाई। दूसरे क्वार्टर में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद भारत मध्यांतर तक 0-1 से पीछे रहा।

तीसरा क्वार्टर भी गोलरहित रहा जिसमें दोनों टीम मौकों को भुनाने में नाकाम रहीं। इस दौरान दोनों को एक-एक पेनल्टी कॉर्नर भी मिला। चौथे क्वार्टर में बराबरी के प्रयास में भारत ने दूसरा गोल गंवाया जब 52वें मिनट में स्टीवर्ट ने मैदानी गोल दागा। भारत शनिवार को दौरे के अपने चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

साई किशोर को शामिल करना चाहती थी सनराइजर्स : विटोरी

नई दिल्ली । सनराइजर्स हैदराबाद के कोच डेनियल विटोरी ने गुजरात टाइटंस के स्पिनर आर साई किशोरकी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि हम उन्हें नीलामी में लेना चाहते थे पर सफल नहीं हुए थे। विटोरी ने कहा कि किशोर बेहद योग्य हैं और उनमें सीमित ओवरों के क्रिकेट में सफल गेंदबाज बनने की पूरी क्षमताएं हैं। इस सत्र में इस गेंदबाज ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। किशोर ने इस सत्र में गुजरात की ओर से बेहतर प्रदर्शन किया है और वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में वह पांचवें नंबर पर हैं। उन्होंने अभी तक 8 मैचों में 12 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 30 रन देकर तीन विकेट लेना रहा है। विटोरी से जब पूछा गया कि वह बाएं हाथ के किस स्पिनर से प्रभावित हैं तो उन्होंने कहा कि मैं किशोर का नाम लूंगा। उसने शानदार प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि वह एक ऐसा खिलाड़ी था जिस पर नीलामी में हमारी नजर थी हालांकि हम उसे शामिल नहीं कर पाय थे।। वह एक निडर गेंदबाज है। उसके पास गेंद को टर्न करने विकेट के ऊपर और आसपास अपनी गति बदलने की क्षमताएं हैं। मुझे लगता है कि वह अन्य स्पिनरों के लिए मानदंड स्थापिक करता है कि आप वास्तव में कैसे प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं। उसने बल्लेबाजी के सहायक विकेटों पर भी अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल: इंटर मिलान से दो बार पिछड़ने के बाद बार्सिलोना ने 3-3 से की बराबरी

-ओलंपिक स्टेडियम में रोमांचक भिड़ंत, यामाल ने रचा इतिहास, समर का आत्मघाती गोल बना बराबरी का कारण

बार्सिलोना (एजेंसी)। चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल के पहले चरण में बुधवार को बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेले गए मुकाबले में फैंस को जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। इंटर मिलान जहां दो बार बढ़त लेने में कामयाब रही, वहीं बार्सिलोना ने दोनों बार शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 3-3 की बराबरी पर खत्म किया। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में युवा लमिन यामाल ने एक ऐतिहासिक गोल दागा और दो बार गेंद को बार पर भी मारा।

मैच की शुरुआत ही धमाकेदार रही। इंटर मिलान के मार्कस थुराम ने मुकाबले की शुरुआत के महज 30वें सेकंड में शानदार बैकहील गोल दागते हुए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल इतिहास का सबसे तेज गोल कर डाला। इसके बाद डेंजल डम्फ्रीज ने कॉर्नर से मिले मौके को हवा में छलांग लगाकर गोल में तब्दील किया और इंटर को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। हालांकि बार्सिलोना ने हार नहीं मानी। टीम के 16 वर्षीय स्टार यामाल ने अपने 100वें क्लब मैच में शानदार एकल प्रयास से गोल दागा और टीम को वापसी की राह दिखाई। यह गोल उन्हें चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में स्कोर करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बना गया। यामाल ने थुराम को पीछे छोड़ा, मखितारियन को छकाया और फिर बाएं पोस्ट से गेंद को गोल में डाला।

पहले हाफ के 38वें मिनट में पेड्री के पास पर रफिन्हा ने हेड से बॉल फॉरवर्ड की और फेरान टोरेस ने पास पर रिएक्ट करते हुए क्लोज रेंज से गोल किया। स्कोर 2-2 हो गया। हालांकि, दूसरे हाफ में डम्फ्रीज ने एक बार फिर हेडर से गेंद डाली, जो ओल्मो से लगकर गोल में चली गई और इंटर को तीसरी बार बढ़त मिली। इंटर की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिक पाई। यामाल के कॉर्नर को रफिन्हा ने बॉक्स के किनारे से ताकतवर शॉट मारा, जो क्रॉसबार से लगकर गोलकीपर सोमर के सिर पर टकराया और गोल में चला गया। यह आत्मघाती गोल स्कोर 3-3 कर गया।

अब फैसला अगले मंगलवार को मिलान में- मुकाबले के अंतिम मिनटों में

यामाल ने फिर एक बेहतरीन शॉट मारा जो क्रॉसबार से टकरा गया। अंततः मुकाबला ड्रॉ रहा। अब इस रोमांचक टाई का दूसरा चरण अगले मंगलवार को मिलान में खेला जाएगा, जहां विजेता 31 मई को म्यूनिख में होने वाले फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन या आर्सेनल से भिड़ेगा।

शिखर धवन ने कर दिया प्यार का इजहार, शेयर की होने वाली हमसफर की फोटो

खेल डैस्क - भारतीय स्टार बल्लेबाज शिखर धवन ने आखिरकार योगा कोच सोफिया शाइन के साथ अपने रोमांटिक रिश्ते पर मुहर लगा दी है। धवन ने सोशल मीडिया पर सोफिया के साथ एक फोटो डाली है जिसमें उन्होंने माई हार्ट लिखा है। धवन उक्त तस्वीर में जहां ब्राऊन कलर की शर्ट में दिख रहे हैं तो वहीं सोफिया ने काले रंग की ड्रेस पहने हुए हैं। दोनों कैमरे की ओर देखकर मुस्कराते हुए नजर आ रहे हैं। सोफिया शाइन एक आयरिश प्रोडक्ट कंसल्टेंट हैं, जो अबू धाबी, यूएई में रहती हैं। वह नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन में सेकेंड वाइस प्रेसिडेंट के तौर पर काम करती हैं। दोनों को पहली बार नवंबर 2024 में मुंबई हवाई अड्डे पर और फिर फरवरी 2025 में दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के भारत-बांग्लादेश मैच के दौरान एक साथ देखा गया था। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और वीडियो ने डेटिंग की अटकलों को हवा दी। खास तौर पर, यह भी नोट किया गया कि शिखर ने जून 2023 में सोफिया के इंस्टाग्राम पोस्ट को लाइक किया था, और दोनों एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर फॉलो करते हैं। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों कुछ साल पहले दुबई में मिले थे और एक साल से अधिक समय से एक साथ रह रहे हैं। आखिरकार शिखर धवन और सोफिया ने इस रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

आरसीबी ने मेरा लंदन से हर्निया का ऑपरेशन करवाया, कभी नहीं भूल सकता : सुयश शर्मा

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के 21 वर्षीय स्पिनर सुयश शर्मा ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ घरेलू मैच से पहले आरसीबी बोल्ड डायरीज में अपनी चोट, सर्जरी, आईपीएल यात्रा और मानसिक दृढ़ता के बारे में खुलकर बात की। शर्मा ने अपनी चोट और सर्जरी के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि आरसीबी ने उनके इलाज के लिए लंदन भेजा, जहां उनकी मुलाकात टीम फिजियो जेम्स पाइपी से हुई। ÷मुझे तीन हर्निया थे। सर्जरी बड़ी थी और मुझे पहले मैच में खेलने की उम्मीद नहीं थी। लेकिन जेम्स और उनके परिवार ने मेरा बहुत ख्याल रखा। मैं पिछले दो सालों से दर्द में खेल रहा था, लेकिन आरसीबी ने मुझ पर भरोसा दिखाया और मेरे इलाज में निवेश किया। मैं अब पूरी तरह फिट हूं और इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा होने पर गर्व महसूस करता हूं। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उनके लिए नया रास्ता खोलने वाला रहा।

आईपीएल में अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए शर्मा ने बताया कि उनका सफर आसान नहीं था। मैंने आईपीएल से पहले कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं खेला था। मैंने सिर्फ अंडर-25 खेला था और छह-सात साल ट्रायल में बिताए, लेकिन कभी चुना नहीं गया। मेरे माता-पिता हमेशा मुझसे पूछते थे कि मुझे आईपीएल में कब मौका मिलेगा, लेकिन उन्होंने कभी मुझ पर शक नहीं किया। अंडर-25 टूर्नामेंट के बाद, शर्मा ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अभ्यास मैच में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने अपनी तेज गुगली से आठ विकेट लिए। उस समय मेरे पिता अस्पताल में थे। जब उन्हें मेरे चयन की खबर मिली, तो वे रो पड़े। किसी को उम्मीद नहीं थी कि मैं इतनी जल्दी आईपीएल खेलूंगा।

शर्मा का आईपीएल डेब्यू आरसीबी के खिलाफ हुआ, जिसे वे अपने जीवन का सबसे दबावपूर्ण पल मानते हैं। मैं पहले कभी स्टेडियम में मैच देखने भी नहीं गया था। इतनी भीड़ और पागलपन भरा माहौल देखकर मेरा दिमाग खाली हो गया था। लेकिन मैंने वही किया जो मैं हमेशा करता था। पहले ओवर के बाद सब शांत हो गया, और मैं उस पल को जीने लगा। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि मुझे हमेशा पता था कि मैं आईपीएल खेलूंगा, 101 प्रतिशत। लेकिन मैंने नहीं सोचा था कि यह 19 साल की उम्र में होगा।

चोट के कारण तीन महीने बिस्तर पर रहने के दौरान शर्मा ने मानसिक तैयारी पर ध्यान दिया। 'मैंने हर गेंद की कल्पना की। मैं पूरे दिन अपनी गेंदबाजी के बारे में सोचता था, हर रणनीति को दिमाग में दोहराता था। इससे मुझे वापसी में बहुत मदद मिली।' उन्होंने अपनी गेंदबाजी शैली के बारे में बताया, 'मैंने बल्लेबाज के तौर पर शुरुआत की, लेकिन पार्क में स्पिन गेंदबाजी मेरे लिए स्वाभाविक थी। मेरा एक्शन भी स्वाभाविक है। कलाई के स्पिनर के लिए निरंतरता जरूरी है, इसलिए मैंने चोट के दौरान भी मानसिक रूप से खुद को तैयार रखा।

शर्मा ने अपने परिवार के समर्थन को अपनी सफलता का आधार बताया। 'दो साल पहले मैंने अपने पिता को कैंसर के कारण खो दिया। मेरी मां और परिवार ने हमेशा मेरा साथ दिया। वे मेरी मेहनत देखते थे और मुझ पर भरोसा करते थे।' उनकी कहानी यह सिखाती है कि कड़ी मेहनत

और सकारात्मक सोच के साथ कोई भी मुश्किल चुनौती पार की जा सकती है। शर्मा की यह यात्रा न केवल उनके लिए, बल्कि हर उस युवा के लिए प्रेरणा है जो अपने सपनों को सच करने की राह पर है।

बच्चो, जब भी मौका मिलता है, हम इंसान एक-दूसरे को अपनी बातों या हरकतों से हंसते-हंसाते हैं। यही काम मूर्तियां करें तो तुम चौंकोगे। कनाडा के वैंकूवर शहर में लाफ्टर स्टेच्यूज 'ए-मेज-इंग-लाफ्टर' नाम से मशहूर कांस्य की बनी अद्भुत मूर्तियां जो भी देखता है, हंसे बिना नहीं रहता। आओ जानते हैं, इन हंसाने वाली मूर्तियों के बारे में।

हंसती-हंसाती स्टेच्यूज!

अमेजिंग
रजनी अरोड़ा

बच्चो, अगर कोई कहे कि खड़ी हुई स्टेच्यूज हंसाती हैं तो तुम यह बात आसानी से मानोगे नहीं, लेकिन यह सच है। कनाडा के वैंकूवर शहर में इंग्लिश बे बीच (समुद्र किनारे) स्थित मॉर्टन पार्क में मौजूद ब्रॉन्ज (कांस्य) से बनी विशालकाय अमेजिंग लाफ्टर स्टेच्यूज 'ए-मेज-इंग-लाफ्टर' को देखते ही अनायास हंसी आ जाती है।

आर्टिस्ट ने अपने चेहरे जैसी बनाई हैं स्टेच्यूज

'ए-मेज-इंग लाफ्टर' मूर्तियों के इस समूह को चीन के मशहूर मूर्तिकार यू मिनजुन ने 2009 में तैयार किया था। इन मूर्तियों की सबसे खास बात यह है कि मिनजुन ने इन मूर्तियों के चेहरे को अपने चेहरे जैसा बनाया है। उन्होंने कुल 14 मूर्तियां बनाई हैं, जो कांस्य की हैं। हर मूर्ति अलग-अलग पोज में हंसती दिखती है। सबके चेहरे, आंखें, भौंहें, दांत, बाल सब कुछ बहुत बारीकी से उकेरे गए हैं। इन्हें देखकर लोग बस देखते ही रह जाते हैं।

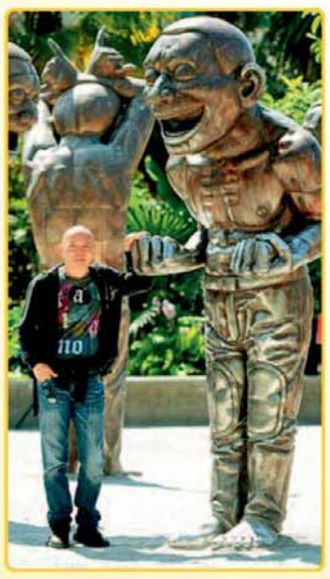

लाफ्टर स्टेच्यूज के अलग-अलग पोज

'ए-मेज-इंग लाफ्टर' की अलग-अलग पोज की बात करें, तो यहां चौदह अलग-अलग पोज में लाफिंग स्टेच्यूज बनाई गई हैं-

- दोनों हाथ सिर के ऊपर रखे, आंखें भींचकर जोर से हंसते हुए।
- घुटनों पर हाथ टिकाकर, आगे झुक कर हंसते हुए।
- एक हाथ मुंह पर, दूसरा हाथ ऊपर उठा हुआ।
- दोनों हाथ कमर पर, सीना चौड़ा कर जोरदार ठहाका लगाते हुए।
- दोनों हाथ गालों पर रखकर हंसते हुए।
- पीछे की ओर झुके हुए, सिर पूरी तरह ऊपर।
- एक हाथ से पेट पकड़ कर हंसते हुए।
- दोनों हाथ फैलाए हुए, जैसे दुनिया को गले लगाते हुए।
- सिर थोड़ा झुकाकर, आंखें टेढ़ी कर हंसते हुए।

- कान पकड़कर हंसते हुए।
- हल्का झुक कर जमीन की ओर देखते हुए।
- हाथों को हवा में घुमाकर हंसते हुए।
- पूरा मुंह खोलकर, आंखें बंद कर भरे गले से हंसते हुए।
- दोनों भौंहें ऊपर उठाकर, होंठों को सटाकर हंसते हुए।

भूल-भुलैया जैसा मजा

'ए-मेज-इंग लाफ्टर' मूर्तियों का यह समूह बहुत ही अमेजिंग तो है ही, साथ ही यह भूल-भुलैया खेल जैसा भी है। प्रत्येक मूर्ति की ऊंचाई लगभग 3 मीटर और वजन लगभग 250 किलोग्राम है। आर्टिस्ट ने इन कांस्य मूर्तियों को सर्कल में किसी भूल-भूलैया की तरह अरेंज किया है। इन मूर्तियों को इस तरह से रखा गया है कि इनका चेहरा बाहर की तरफ दिखता है। इन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे ये मूर्तियां यहां आने वाले पर्यटकों को अपने आपको देखने के लिए इनवाइट कर रही हों। मूर्तियों के इर्द-गिर्द कोई दीवार नहीं है, इसलिए यहां आने वाले पर्यटक हर एंगल से मूर्तियों के साथ जुड़ जाते हैं। बच्चो, जब तुम यहां रखी एक मूर्ति से दूसरी मूर्ति के बीच से गुजरोगे तो तुम्हें लगेगा, जैसे तुम किसी भूल-भुलैया से गुजर रहे हो। इस दौरान अजीबो-गरीब पोज में हंसती हुई ये मूर्तियां हंसाती हैं।

रंग बदलती दिखती हैं ये लाफिंग स्टेच्यूज

कांस्य से बनी इन मूर्तियों का रंग वैसे तो सुनहरा-भूरा है। लेकिन दिन के अलग-अलग समय में अलग-अलग एंगल से जब सूरज की रोशनी इन मूर्तियों पर पड़ती है तो इन मूर्तियों का रंग बदलता हुआ सा प्रतीत होता है। रात के समय जब इन मूर्तियों पर स्ट्रीट लाइट्स की रोशनी पड़ती है, तो इन मूर्तियों की चमक बहुत ही शानदार दिखती है। शाम को इंग्लिश बे पर समुद्र की लहरों की हल्की आवाज और इन हंसते चेहरों वाली मूर्तियों के बीच टाइम स्पेंड करना एक अलग ही फील देता है।

मूर्तियों का संदेश- हंसना जरूरी है

'ए-मेज-इंग-लाफ्टर' के मूर्तिकार यू मिनजुन का कहना है कि हंसी वह पल है, जब हम सब कुछ भुलाकर सिर्फ हंसना चाहते हैं। ये मूर्तियां हमें याद दिलाती हैं कि खुशी सिर्फ एक सतही भावना नहीं है, वह हमारी गहरी बेचैनियों को ढंकने का माध्यम भी बन सकती है। सार्वजनिक स्थलों पर ऐसी कलाकृतियां, जो हंसी और खुशी का माहौल बनाती हैं, वे लोगों के तनाव को कम करने में मदद करती हैं। इंग्लिश बे पर बने ये लाफिंग स्टेच्यूज लोगों के बीच एक आंतरिक खुशी का माहौल बनाते हैं, जिससे पर्यटक और स्थानीय लोग दोनों ही जुड़ाव महसूस करते हैं। कांस्य की ये मूर्तियां, मानो हमें सदा हंसने-मुस्कुराने का संदेश देती हैं। *

अनोखे व्यक्तित्व / शिखर चंद जैन

बच्चो, हंसी-मजाक आज से नहीं तब से होता आ रहा है, जब राजा-महाराजा हुआ करते थे। उनके दरबार में कुछ ऐसे लोग भी रखे जाते थे, जो हंसी-ठिठोली करें, माहौल खुशगवार बनाएं। जानो, ऐसे ही कुछ मशहूर हस्तियों के बारे में।

मशहूर-ऐतिहासिक हंसी के सरताज

बादशाह अकबर के नौ रत्नों में से एक बीरबल

मुगल बादशाह अकबर के दरबार के नौ रत्नों में से एक थे बीरबल। उनका वास्तविक नाम था महेश दास। बीरबल बहुत बुद्धिमान थे, हाजिर जवाब थे। बड़ी से बड़ी समस्याओं का हल वे हंसते-हंसाते निकाल लेते थे। बादशाह अकबर अकसर मनोरंजन के लिए बीरबल से हंसी-मजाक किया करते थे। लेकिन बीरबल बुरा मानने के बजाय कुछ ऐसा बोलते या कोई ऐसी हरकत करते कि उल्टे बादशाह अकबर का ही मजाक बन जाता था। अकबर भी इस बात का मजा लेते। दोनों के मजेदार किस्से आज भी लोगों का मनोरंजन तो करते ही हैं, साथ-साथ ज्ञान भी बढ़ाते हैं। *

दक्षिण भारत के विनोदी विद्वान तेनालीराम

जिस तरह उत्तर भारत में बीरबल के किस्से प्रचलित हैं, वैसे ही दक्षिण भारत में तेनालीराम के किस्से लोग खूब चटखारे लेकर सुनते-सुनाते और पढ़ते हैं। तेनालीराम दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य के राजा कृष्णदेव राय के दरबार के प्रमुख विद्वानों में से एक थे। उनका जन्म कर्नाटक के गुंटूर जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। उनका पूरा नाम तेनाली रामकृष्ण था। तेनालीराम अपने विनोदी स्वभाव से महाराज कृष्णदेव राय को खूब हंसाते थे। साथ ही कोई विकट परिस्थिति आने पर महाराज को उससे उबरने का सरल रास्ता भी बताते थे। बुद्धिमान और विनोदी तेनालीराम दक्षिण भारत में इतने प्रसिद्ध हैं कि आंध्र प्रदेश में उनके नाम पर एक रेलवे स्टेशन 'तेनाली' जंक्शन भी मौजूद है। *

बंगाल के लोकप्रिय व्यक्तित्व गोपाल भांड

बंगाल में गोपाल भांड के किस्सों की लोकप्रियता उतनी ही है, जो उत्तर भारत में बीरबल की और दक्षिण भारत के बच्चों में तेनालीराम की है। 18वीं सदी में पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में राजा कृष्णचंद्र रॉय का शासन हुआ करता था। उनके दरबार के नवरत्नों में से एक थे गोपाल भांड। वह अपनी चतुराई और हाजिर जवाबी के बूते पर न सिर्फ महाराज का बल्कि दरबारियों और प्रजा का भी दिल जीत लेते थे। गोपाल भांड कठिन से कठिन समस्या का हल चुटकी बजाते निकाल लेते थे। हंसी-मजाक से भरे उनके किस्से बंगाल की लोककथाओं में भी खूब पढ़े-सुने जाते हैं। *

रंग भरो 175

बच्चो, यहां पर हंसते-मुस्कुराते दो बच्चों का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजें- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

हंसगुल्ले

मम्मी (गुस्से में) : मिंटू, मैंने तुमसे कहा था कि जिस समय दूध उबले तो मुझे बता देना। देखो तो, सारा दूध गिर गया।
मिंटू : मम्मी, बता तो रहा हूं। जिस समय दूध उबला, तब 7 बजकर 10 मिनट हो रहे थे।
-संजय, रोहतक

चिंटू : दर्दनाक का क्या मतलब होता है?
मिंटू: जिसके नाक में दर्द हो, वह दर्दनाक होता है।
-अभिषेक, बेमेतरा

टीचर : रोहित, बताओ आई डोंट नो का क्या मतलब होता है?
रोहित (सिर खुजते हुए) : मैं नहीं जानता।
टीचर : बिल्कुल सही जवाब।
-सुमन, भोपाल

चिंकी : मुझे घर से स्कूल जाने में 90 मिनट लगते हैं, लेकिन स्कूल से घर आने में डेढ़ घंटे लग जाते हैं, बता ऐसा क्यों?
मिंकी (एक पल सोचने के बाद) : मुझे नहीं पता, तू ही बता दे।
चिंकी (हंसते हुए) : अरे बुद्धू, क्योंकि दोनों टाइम सेम है।
-कुणाल, महासमुंद

गोलू की तबियत ठीक नहीं थी, इसलिए वह दोस्तों के साथ खेलने के बजाय चुपचाप पार्क की बेंच पर बैठ गया। तभी वहां एक आदमी आकर उसके बगल में बैठ गया। उसने अपने आपको आम डॉक्टर बताया। गोलू के साथ उसने ऐसी मजेदार बातें कीं, वह अपनी बिगड़ी तबियत को भूलकर हंस पड़ा।

आम डॉक्टर

हास्य कथा
समीर गांगुली

पार्क की बेंच पर बैठ कर, बच्चों को खेलते देखते गोलू की बगल में एक आदमी आकर बैठ गया। थोड़ी देर बाद उसने पूछा, 'बेटा, तुम खेल क्यों नहीं रहे हो?'

गोलू बोला, 'मेरी तबियत थोड़ी खराब है।' इस पर वह आदमी बोला, 'तबियत या तो खराब होती है या नहीं होती। थोड़ी का क्या मतलब?'

गोलू फालतू फेंटते उस आदमी की तरफ देखते हुए बोला, 'आप डॉक्टर हैं क्या?' वह बोला, 'हां, मैं आम डॉक्टर हूं?' गोलू ने फिर पूछा, 'आम डॉक्टर माने जनरल डॉक्टर?'

वह बोला, 'नहीं आम डॉक्टर..! वैसे मैं आम इंजीनियर बनना चाहता था।'

गोलू बोला, 'मतलब आप आम का इलाज करते हैं?' वह आदमी बोला, 'हां, अगर कोई आम आता तो, लेकिन आज तक कोई भी आम मेरे पास नहीं आया। शायद उन्हें अभी तक इसकी खबर नहीं हुई है।' गोलू को उसकी अजीब बात पर यकीन नहीं हुआ, उसने फिर पूछा, 'मैंने तो आज तक नहीं सुना कि आम या अमरूद या सेब का कोई डॉक्टर भी होता है। ये तो फल हैं। इन्हें इलाज की क्या जरूरत?'

इस बात पर आम डॉक्टर चिढ़कर बोला, 'आम को डॉक्टर और इंजीनियर की ही नहीं, वकील की भी जरूरत होती है।' गोलू चकराया, 'मैंने तो यह सब नहीं सुना।' गोलू को परेशान देख आम डॉक्टर बोला, 'कैसे नहीं सुना? अभी तो कहा मैंने। बच्चे, आम की दुनिया के तीन उसूल होते हैं। ध्यान से सुनो। पहला-आम, आम नहीं होता। दूसरा-आम का आदमी, रास्ते और सभा से कोई रिश्ता नहीं होता। तीसरा-एक दिन आम राज आएगा।'

गोलू ने आगे पूछा, 'आम को क्या बीमारी हो सकती है?'

आम डॉक्टर बोला, 'वो तो आम की मर्जी पर है कि वो कौन-सी बीमारी को आने के लिए रास्ता देगा या नहीं देगा। हां, कभी-कभी दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। तीसरे तरह की।' गोलू फिर चकराया, 'तीसरे तरह की यानी पहले और दूसरे तरह की नहीं?' आम डॉक्टर आंखों को आधा बंद करते हुए बोला, 'यहां पहला उसूल लागू होता है यानी आम, आम नहीं होता है।' गोलू ने पूछा, 'आम आपके पास आया और आपने उसे खा लिया तो क्या होगा?' वह बोला, 'तो वह इसकी शिकायत कबूतर खाने में कर सकता है।' गोलू फिर हैरान, 'अरे, आप उसे खा लेंगे तो वह शिकायत कैसे करेगा?' वह आदमी बोला, 'खाने से पहले कर सकता है।' गोलू ने पूछा, 'उसे पता कैसे चलेगा?' 'क्या?'

'यही कि आप उसे खाने वाले हैं।'

'जब तक आम पिज्जा नहीं मिलता, मैं तो आम को मुंह भी नहीं लगाऊंगा।' 'आम पिज्जा कहां होता है?' 'आम पापड़ होता है?' 'हां, होता है मगर वो पापड़ नहीं होता।' 'तभी तो यहां पहला उसूल लागू होता है।' 'क्या?' 'आम, आम नहीं होता।' 'आपको आम डॉक्टर किसने बनाया?' 'तुमने!' 'मैंने कब बनाया?' 'तभी, जब कहा कि तुम्हारी तबियत खराब है। अब मैं तुम्हारा इलाज करूंगा।' 'कैसे?' 'एक आम तरीका है।' 'वो क्या?' 'आंखें बंद करो और तीन बार नाक दबा कर बोलो, 'आम ना करे काम, आम ना मांगे दाम, आम करे आराम।'

ये कुछ अटपटा था, मगर गोलू ने ऐसा ही किया और जब आंखें खोली तो बेंच खाली था। वह आदमी जा चुका था, फोकट की मस्ती देकर। गोलू अब अपनी तबियत थोड़ी ठीक महसूस कर रहा था। उसे मन ही मन उस आदमी पर हंसी आ रही थी। *

कविता
डॉ. वेद मित्र शुक्ल

पहाड़ और चुहिया

इक पहाड़ था गांव किनारे
उस पर कान धरे कोई जो,
सुनता आवाजें चूं-चूं की
ज्यों पहाड़ भीतर कोई हो।
अचरज होता कौन बला है
जो पहाड़ के अंदर रहता,
'इसका पता लगाना होगा'
जो भी सुनता था वह कहता।
आखिर इक दिन निश्चय करके
लगे खोदने वह पहाड़ सब,
एक बड़ा हिस्सा जब खोदा
निकली इक चुहिया बच्चो! तब।
बहुत परिश्रम किया सभी ने
पर, परिणाम मिला न बढ़िया,
मुखिया हंसा जोर से कहकर,
'परबत खोदा निकली चुहिया।'

गिनकर बताओ

बच्चो, इस चित्र में स्माइली और लाफिंग इमोजी वाले रेड और यलो कलर के कुछ बैलूंस दिए गए हैं। तुम्हें गिनकर बताना है कि चित्र में कुल कितने रेड बैलूंस हैं और कितने यलो बैलूंस हैं?

कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर बोलीं रकुल प्रीत

रकुल प्रीत सिंह के एक्टिंग करियर को लगभग 15 साल हो चुके हैं। वह कई रोमांटिक फिल्मों का हिस्सा बन चुकी हैं। रकुल को फैंस उनके नेचुरल लुक के लिए भी काफी पसंद करते हैं। हाल ही में कॉस्मेटिक सर्जरी, प्रोसिजर को लेकर रकुल ने अपना नजरिया साझा किया।

भगवान ने मुझे ठीक-ठाक शक्ल दी

हाल ही में एक इवेंट में रकुल प्रीत सिंह को देखा गया। इंस्टेंट बॉलीवुड से की गई बातचीत में वह बताती हैं कि उन्हें कभी कॉस्मेटिक सर्जरी कराने का ख्याल नहीं आया। रकुल कहती हैं, 'भगवान ने मुझे ठीक-ठाक शक्ल दी है, इसलिए ऐसी बातों के बारे में सोचा नहीं है।' बताते चलें कि पिछले दिनों रकुल को पैपराजी ने मुंबई में एक गाड़ी से उतरते देखा तो उन्होंने अपने होंठों को छुपा लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इस वीडियो को देखकर यूजर्स ने कहा था कि रकुल ने होंठों पर कोई कॉस्मेटिक प्रोसिजर करवाया है या फिर फिलर (एक तरह का प्रोसिजर है, जिससे होंठ उभरे हुए नजर आते हैं) का यूज किया है।

कॉस्मेटिक प्रोसिजर को गलत नहीं मानती

आगे रकुल कहती हैं, 'हां, अगर कोई ऐसा करना चाहता है तो इसमें कुछ गलत नहीं है। देखिए पहले कई बीमारियों का इलाज नहीं था, अब है। ऐसे ही अगर कोई सुंदर दिखने के लिए कॉस्मेटिक प्रोसिजर करवाना चाहता है तो इसमें गलत कुछ नहीं है।'

इन फिल्मों में नजर आएंगी रकुल

रकुल के करियर फंट की बात करें तो वह कुछ दिन पहले अर्जुन कपूर की फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में नजर आईं। इस साल वह एक साउथ फिल्म 'इंडियन 3' कर रही हैं, साथ ही 'दे दे प्यार दे-2' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म के पहले पार्ट में रकुल की जोड़ी अजय देवगन के साथ बनी थी।

साई को रिलेशनशिप में मिला धोखा

हालिया रिलीज 'ग्राउंड जीरो' में इमरान हाशमी के साथ नजर आईं अभिनेत्री साई तम्हणकर ने एक्टिंग से परे अपनी व्यक्तिगत जिंदगी, प्यार, विश्वासघात और धोखे को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने रोमांटिक रिलेशनशिप को प्रभावित करने वाले कुछ इमोशनल पैटर्न के बारे में भी अपने विचार रखे।

साई को मिला रिश्ते में धोखा

हॉटरफ्लाई के साथ हालिया बातचीत में अभिनेत्री साई तम्हणकर ने अपने एक रिलेशनशिप के बारे में बात करते हुए कहा, हां, बेशक मुझे धोखा मिला है। कम उम्र में धोखा दिया गया था। मुझे लगता है कि मेरे जीवन में बहुत पहले मेरे बहुत बुरे रिश्ते रहे हैं। मैंने इससे बहुत कुछ सीखा है। मुझे यह भी लगता है कि एक व्यक्ति के साथ रहना थोड़ा अप्राकृतिक है। मेरा मानना है कि चीट करने पर खुले तौर पर वापस आकर अपने पार्टनर को यह बताने की हिम्मत रखो कि मैंने यह किया है। आप दोनों इसके साथ शांति बनाए रखें।

साई ने बताया बहस के दौरान क्या करती हैं लड़कियां

बहस के दौरान अक्सर अनसुलझे मुद्दों के फिर से उभर आने पर साई का कहना है, तब लड़की को हर लड़ाई में यह करने की जरूरत नहीं है। लेकिन लड़कियां ऐसा करती हैं। हर लड़ाई में, अगर कोई पुरानी बात है तो। मैंने भी यह किया है, इसलिए मैं यह कह रही हूं। वह ऐसा करती है, इसलिए ऐसा नहीं होना चाहिए। कमिटेड रिलेशनशिप में चिंता बनी रहने और धोखे का डर सा लगा रहने पर अभिनेत्री ने कहा, जब कोई रिश्ता बनता है, तो वह बेचैनी या वह भावना अभी भी जीवित रहती है। लेकिन यह वाकई में दूरी नहीं होती है।

2013 में की शादी, दो साल बाद हो गईं अलग

साई तम्हणकर ने पहले विजुअल इफेक्ट आर्टिस्ट अमेय गोसावी से शादी की थी। दोनों ने 15 दिसंबर 2013 को शादी की, लेकिन 2015 में आपसी सहमति से अलग हो गए। हालांकि उन्होंने कभी भी अपने अलग होने का कारण सार्वजनिक रूप से नहीं बताया।

मर्दानी 3 में रानी मुखर्जी के अलावा ये अभिनेत्री निभाएगी पुलिस का किरदार

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म मर्दानी में अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने पुलिस का दमदार किरदार निभाया था। ये फिल्म काफी कामयाब रही थी। फिल्म की कामयाबी के बाद रानी मुखर्जी मर्दानी 2 में नजर आईं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई। यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर काफी कामयाब रही। अब फैंस इसके तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। साल 2024 में खबर आई कि फिल्म निर्माता मर्दानी 3 पर काम कर रहे हैं। खबर के मुताबिक फिल्म मर्दानी 3 की शूटिंग इसी साल के शुरुआत में शुरू हो चुकी है। फिल्म अगले साल 2026 में होली के मौके पर रिलीज होगी।

जानकी बोदीवाला होंगी फिल्म का हिस्सा

वेबसाइट के मुताबिक अभिनेत्री जानकी बोदीवाला भी फिल्म मर्दानी 3 में अहम किरदार अदा करेंगी। जानकी बोड़ीवाला ने फिल्म शैतान में अच्छा रोल निभाया था। इससे रानी मुखर्जी और आदित्य चोपड़ा प्रभावित हुए हैं, इसलिए उन्होंने जानकी बोदीवाला को फिल्म में अहम किरदार दिया है। वह फिल्म में एक पुलिस का किरदार निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग मुंबई में हो रही है। खबर है कि मर्दानी 3 दोनों फिल्मों से जबरदस्त होगी। पहले की फिल्में सामाजिक मुद्दों पर आधारित थीं। उसी तरह यह फिल्म भी जरूरी सामाजिक मुद्दों पर होगी।

जानकी बोदीवाला का बॉलीवुड में दमदार किरदार

जानकी बोदीवाला ने बॉलीवुड में शैतान फिल्म से डेब्यू किया था। इससे पहले वह गुजराती फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। अब वह बॉलीवुड में मर्दानी 3 में अहम रोल अदा करने वाली हैं।

मर्दानी 3 यशराज फिल्म्स के बैनर तले रिलीज होने वाली है। इस बैनर तले चार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। सैयारा 18 जुलाई, वार 2 दो अगस्त, अल्फा 25 दिसंबर और मर्दानी 3 27 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली हैं।

करियर की शुरूआत में मुझे बदकिस्मत कहा जाता था

तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकीं अभिनेत्री श्रुति हासन ने अपने करियर के शुरूआती दिनों को याद करते हुए बात की। फिल्मफेयर के साथ हालिया बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उन्हें अपने करियर की शुरुआत में बदकिस्मत माना जाता था। क्योंकि उनकी पहली दो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थीं। अभिनेत्री ने कहा कि तेलुगु में यह मिथक था कि मैं बदकिस्मत हूं, क्योंकि मेरी पहली दो फिल्में नहीं चलीं। लेकिन उन्हें यह एहसास नहीं हुआ कि उन दो फिल्मों में एक ही हीरो था। लेकिन लोग कहते थे कि उन्हें मैं नहीं चाहिए। श्रुति ने साल 2011 में सिद्धार्थ के साथ फिल्म 'अनागनागा ओ धीरुदु' और रोमांटिक ड्रामा 'ओह माय फ्रेंड' में काम किया था। ये उनकी पहली दो फिल्में थीं। दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। अभिनेत्री ने आगे बताया कि फिर पवन कल्याण सर ने मुझ पर भरोसा जताया और मेरा पूरा करियर बदल गया। अचानक बॉम्बे दिखने लगा, और तमिल दिखने लगा। एक्ट्रेस ने कहा कि यह सिर्फ लोगों की वजह से है और वे आप पर कितना भरोसा करते हैं। यह क्रिएटिव रूप से भी तब सामने आता है जब उन्हें लगता है कि आप कुछ कर सकते हैं। पवन कल्याण ने 2012 में आई 'गब्बर सिंह' में श्रुति हासन के साथ काम किया था।

जयदीप ने बताया कैसे संभालते हैं फेम का प्रेशर

अपने अभिनय से इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल करने वाले अभिनेता जयदीप अहलावत इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'ज्वेल थीफ' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई है और इसे लोगों के मिले-जुले रिस्पॉन्स मिल रहे हैं। इससे पहले अभिनेता को उनके शो पाताल लोक सीजन 2 के लिए काफी प्रशंसाएं मिलीं और उनके अभिनय को काफी सराहा गया। अब अभिनेता ने सीरीज के किरदार हाथी राम चौधरी को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे 'पाताल लोक' ने उनके जीवन में काफी बदलाव लाया है।

हाल ही में बातचीत में जयदीप अहलावत ने अपने सबसे मशहूर किरदार हाथी राम चौधरी को लेकर बात की। अभिनेता ने कहा, मुझे अपने आज तक निभाए गए सभी किरदार पसंद हैं। लेकिन बेशक जिसने मेरे करियर को सबसे अधिक प्रभावित किया, वह पाताल लोक था। हाथी राम ने मेरे लिए और लोगों के मुझे एक अभिनेता के रूप में देखने के तरीके में बहुत कुछ बदल दिया।

किरदार के प्रति रहना है ईमानदार

इस दौरान जयदीप अहलावत ने बैक-टू-बैक हिट परफॉर्मेंस देने के दबाव के बारे में भी बात की। अभिनेता ने कहा, यह दबाव हमेशा बना रहता है। इसलिए मैं खुद को यह याद दिलाता रहता हूं कि किरदार के साथ ईमानदार रहना है। बाकी सब सिर्फ शोर है।

हालिया रिलीज 'ज्वेल थीफ' में अपने किरदार राजन औलाख के बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा, इसमें स्वभाव, तड़क-भड़क और शरारत या खुराफात का एक संकेत है। यह स्टाइलिश है, लेकिन इसमें परतें भी हैं। इसकी अप्रत्याशिता और नयेपन ने मुझे सबसे अधिक उत्साहित किया। भले ही पहले भी मैंने इंटेंस और इस तरह के किरदार निभाए हों, लेकिन यह भूमिका निभाना मजेदार था।

'द फैमिली मैन सीजन 3' में दिखाई देंगे जयदीप अहलावत

वर्कफ्रंट की बात करें तो जयदीप अहलावत की हालिया रिलीज 'ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स' है। इसमें उनके साथ सैफ अली खान, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई हैं। वो अब मनोज बाजपेयी की बहुप्रतीक्षित सीरीज 'द फैमिली मैन सीजन 3' में साथ नजर आएंगे।

दूल्हा बनने के अलावा राजकुमार राव ने इन फिल्मों में निभाया दमदार किरदार, खूब हुई तारीफ

राजकुमार राव की फिल्म भूल चूक माफ 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में शादी में हो रही मुश्किलों को दिखाया गया है। फिल्म में राजकुमार राव की शादी होने में कई अड़चनें आती हैं। राजकुमार राव की कई फिल्में हैं जिनमें शादी के मुद्दे को दिखाया गया है। इन फिल्मों में शादी में जरूर आना, बधाई दो और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो शामिल हैं। इस खबर में हम आपको राजकुमार राव की उन फिल्मों के बारे में बता रहे हैं जिनमें उन्होंने दूल्हे के अलावा दूसरे किरदार निभाए हैं।

भीड़

साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म भीड़ में कोरोना महामारी के बाद उपजे हालात को दिखाया गया है। फिल्म में दिखाया गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान एक पुलिस अधिकारी को प्रवासी श्रमिकों को सीमा पार करने से रोकने का काम सौंपा गया है। पुलिस वाला जब लोगों की पीड़ा को देखता है तो वह लोगों की मदद करने लगता है। पुलिस अफसर के किरदार को राजकुमार राव ने अच्छे से निभाया है।

छलांग

साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म छलांग एक स्पोर्ट्स कॉमेडी ड्रामा है। फिल्म में राजकुमार राव ने एक खेल अध्यापक की भूमिका निभाई है। फिल्म में वह एक आलसी प्रशिक्षक हैं, जो नौकरी में बने रहने के लिए न्यूनतम काम करते हैं। फिल्म में तब मजा आता है जब एक नया शिक्षक उनकी नौकरी और उनसे प्यार करने वाली महिला को छीनने की धमकी देता है। फिर राजकुमार राव एक्शन मोड में आते हैं।

न्यूटन

साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म न्यूटन में राजकुमार राव ने रिटर्निंग ऑफीसर का किरदार निभाया है। फिल्म में राजकुमार राव को एक ऐसे इलाके में चुनाव की ड्यूटी के लिए भेजा जाता है जो राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील है। राजकुमार राव अपनी ड्यूटी बखूबी निभाते हैं। फिल्म में पंकज त्रिपाठी ने अच्छी आदाकारी की है। फिल्म को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के अलावा कई दूसरे अवॉर्ड्स भी मिले थे।

अलीगढ़

साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म अलीगढ़ एक प्रोफेसर पर आधारित थी। फिल्म में मनोज बाजपेयी अहम किरदार में थे। इस फिल्म में राजकुमार राव ने एक पत्रकार की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म अलीगढ़ यूनिवर्सिटी के मराठी भाषा के प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास रामचन्द्र सिरस पर आधारित थी। फिल्म में दिखाया गया है कि एक प्रोफेसर जिसकी फीलिंग दूसरे लोगों से अलग थी, उन्हें कितनी दिक्कतें हुई। फिल्म में राजकुमार राव एक सच्चे पत्रकार की भूमिका निभाते हैं।

शाहिद

साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म शाहिद एक वकील की कहानी पर आधारित थी। शाहिद आजमी जिन पर पूर्व आतंकवादी कार्यकर्ता का इल्जाम लगता है, वह बाद में एक वकील बन जाते हैं। वह उन लोगों के लिए न्याय पाने के लिए लड़ते हैं, जिन्हें आतंकवाद के झूठे आरोप में दोषी ठहराया गया है। इस किरदार को राजकुमार राव ने बखूबी निभाया है। फिल्म की खूब सराहना हुई थी।

वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में सिद्धार्थ संग शामिल हुईं तमन्ना

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी फिल्म वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट एक पौराणिक थ्रिलर फिल्म है, जिसको शॉर्ट में वीवन नाम दिया गया है। इस फिल्म में अब सिद्धार्थ संग एक साउथ अभिनेत्री की एंट्री हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग जून 2025 में शुरू होगी और यह फिल्म 2026 में जाकर रिलीज होगी। इस फिल्म में तमन्ना एक महत्वपूर्ण और दमदार किरदार निभाएंगी। वह सिद्धार्थ के साथ मिलकर मध्य भारत की पौराणिक कहानियों की दुनिया को पर्दे पर लाएंगी। इसके लिए दोनों कलाकार प्रशिक्षण भी लेंगे।

पिंक बूथ महिलाओं की सुरक्षा में तत्पर : पुलिस कमिश्नर

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने मिशन शक्ति और सेफ सिटी परियोजना के तहत शहर में सुरक्षा का माहौल देने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। नोएडा में महिलाओं की सेफ्टी के लिए सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन टेम्पल के सामने 25वें पिंक बूथ का उद्घाटन पुलिस कमिश्नर द्वारा किया गया। नोएडा में लगातार पिंक बूथ की संख्या बढ़ती जा रही है।

नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने इस मौके पर कहा कि आमजन के सहयोग से लगातार पुलिस पिंक बूथ व अन्य क्षेत्रों में काफी बेहतरीन काम कर रही है। आज जो पिंक बूथ बना है वो नोएडा का 25वाँ बूथ है। उन्होंने कहा कि पिंक बूथ में महिला पुलिसकर्मी सेवाएं देने के लिए तैनात रहती है। कोई भी महिला बूथ पर आकर अपनी शिकायत या कोई अन्य बात भी बता सकती है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पिंक बूथ को केवल सहायता केंद्र के रूप में ना समझें बल्कि आप कहीं जा रहे हैं और थक गए तो कुछ देर बैठकर इसके अंदर आराम भी कर सकते हैं। सीएसआर फंड से लगातार नोएडा पुलिस अलग अलग जगह पिंक बूथ स्थापित कर चुकी है।

पिंक बूथ के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। इन्हें वुमेन सेफ्टी हैडक्वार्टर से भी जोड़ा जाएगा ताकि पिंक बूथ पर मिलने वाली शिकायतों की सही तरीके से मॉनीटरिंग की जा सके।

इस मौके पर डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह, डीसीपी महिला सुरक्षा सुनीति, एसीपी विवेक रंजन राय, एसीपी प्रवीण कुमार सिंह, एसीपी ट्विंकल जैन, प्रकाश अस्पताल के सीएमडी डॉ वीएस चौहान, नवरत्न के संस्थापक अशोक श्रीवास्तव, केके जैन व दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मजदूर दिवस पर प्राधिकरण ने किया श्रमिकों का सम्मान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्रमिक दिवस के अवसर पर ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रेटर नोएडा स्थित प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जिसमें प्राधिकरण के विभिन्न विभागों से जुड़े श्रमिकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर प्राधिकरण के ओएसडी अभिषेक पाठक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्रमिक समाज की आधारशिला होते है। उनके द्वारा ईमानदारी से किए गए परिश्रम और समर्पण से ही शहर की सफाई, व्यवस्था एवं विकास सुनिश्चित हो पाता है। उन्होंने उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं श्रमिकों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि कर्तव्यनिष्ठा ही किसी भी संस्था की सफलता की कुंजी है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि प्राधिकरण के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मिलकर ग्रेटर नोएडा को एक आदर्श शहर बनाने में निरंतर कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान प्राधिकरण द्वारा चयनित उत्कृष्ट कर्मचारियों एवं श्रमिकों को उनकी सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के पश्चात सभी उपस्थितों के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम में ओएसडी अभिषेक पाठक के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक श्री चेतराम सहित प्राधिकरण के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

वेटलैंड में अतिक्रमण सख्ती से रोका जाए : डीएम

जिले में 164 वेटलैंड की सीमा का होना है निर्धारण

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला आर्द्रभूमि समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की चिन्हित आर्द्रभूमियों की वर्तमान स्थिति, उनके संरक्षण और विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से समीक्षा की गई। डीएम ने निर्देश दिये कि वेटलैंड में कड़ाई से अतिक्रमण रोका जाए।

प्रभागीय वन अधिकारी पी.के. श्रीवास्तव ने जिला अधिकारी को अवगत कराया गया कि समिति द्वारा धनोरी वेटलैंड को वेटलैंड या पक्षी विहार घोषित किया जाना है, जिसका प्रस्ताव समिति के द्वारा शासन को भेजा जाना है। उन्होंने बताया कि एनजीटी द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि 164 वेटलैंड का संबंधित अधिकारियों द्वारा सीमा निर्धारण किया जाना है। जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा की जिले में कई महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियां हैं, जो न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं, बल्कि स्थानीय जैव विविधता के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन क्षेत्रों में जल स्तर की निगरानी, वनस्पति संरक्षण तथा प्रवासी पक्षियों की उपस्थिति पर निरंतर निगाह रखी जा सके।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि आर्द्रभूमियों की सीमाओं का भौतिक सत्यापन कराया जाए और किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को सख्ती से रोका जाए।

बैठक में जिला पंचायत राज विभाग, मत्स्य विभाग, सिंचाई विभाग तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने भी सहभागिता की और अपने-अपने विभागों से संबंधित जानकारी साझा की।

बैठक में जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र यादव, जिला कृषि रक्षा अधिकारी कुमार एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पंपिंग स्टेशन पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीवर विभाग द्वारा नॉलेज पार्क-3 स्थित पंपिंग स्टेशन पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीवर विभाग के श्रमिकों के अमूल्य योगदान को सम्मानित करना और उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्राधिकरण के अधिकारियों ने श्रमिकों की मेहनत, प्रतिबद्धता और निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी शहर की मूलभूत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में सीवर कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उनके अथक परिश्रम के बिना स्वच्छता, जल निकासी और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र सुचारू रूप से संचालित नहीं हो सकते।

इस अवसर पर एसीईओ प्रेरणा सिंह के निर्देशन में सीवर विभाग के श्रमिकों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही, उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, लेबर जैकेट, सब्बल और फावड़ा जैसे आवश्यक सुरक्षा उपकरण भी वितरित किए गए। प्राधिकरण का स्पष्ट मानना है कि श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक एपी वर्मा, प्रबंधक संध्या सिंह, सहायक प्रबंधक केडी शर्मा, नवीन श्रीवास्तव एवं तकनीकी सुपरवाइजर ललित सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने एकमत होकर श्रमिकों के हित में निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस प्रकार, श्रमिक दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम न केवल श्रमिकों के सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि उनके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को लेकर प्राधिकरण की सजगता और संवेदनशीलता को भी दर्शाता है।

मोटराइज्ड पॉपकॉर्न मशीन के लिए आवेदन करें ग्रामीण युवा

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग द्वारा एक नई योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत बिना पूंजी लगाए स्वरोजगार की शुरुआत की जा सकती है। यह योजना 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए है, जिन्हें नि:शुल्क मोटराइज्ड पॉपकॉर्न मशीन प्रदान की जाएगी।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतमबुद्धनगर ने बताया कि यह योजना उन लोगों के लिए जो कारीगरी व स्वरोजगार में रुचि रखते हैं और ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं। योजना का क्रियान्वयन ग्रामोद्योग विभाग द्वारा किया जाएगा।

इच्छुक अभ्यर्थी 20 मई 2025 तक upkvib.gov.in पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति अनिवार्य रूप से अपलोड करनी होगी। यह कार्य जन सुविधा केंद्र या साइबर कैफे से भी किया जा सकता है। योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के आधार पर पात्र लाभार्थियों का चयन जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी विभाग के हेल्पलाइन नंबर 1202977776 व 9580503196 पर संपर्क कर सकते हैं।

लिफ्टों का रजिस्ट्रेशन 15 मई तक न कराने वालों पर एक्शन

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और बहुमंजिला इमारतों में

लिफ्ट सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार द्वारा की गई।

बैठक में डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटी एवं चिट्स ऋषभ अग्रवाल ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को अवगत कराया कि जनपद की कुछ सोसाइटीज़ में अब भी लिफ्ट बिना पंजीकरण के चल रही हैं, जिससे नागरिकों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। वहीं दूसरी ओर, इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, मगर ईवी चार्जिंग स्टेशन विभिन्न सोसाइटियों में कम स्थापित हुये है।

इन बिंदुओं पर गंभीरता दिखाते हुए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड गौतम बुद्ध नगर और महाप्रबंधक एनपीसीएल ग्रेटर नोएडा को निर्देशित किया कि विभिन्न सोसाइटी में प्राइवेट चार्जिंग एवं कमर्शियल चार्जिंग पॉइंट के लिए जनपद के समस्त फेडरेशन के पदाधिकारियों को सरकार की नीतियों के संदर्भ में ज्यादा से ज्यादा जागरुक करते हुए सर्वे कर ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करें।

मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड गौतम बुद्ध नगर द्वारा अवगत कराया गया कि ईवी चार्जिंग पॉइंट सर्वे के लिए सर्विस प्रोवाइडर को निर्देशित कर दिया गया है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व द्वारा महाप्रबंधक एनपीसीएल ग्रेटर नोएडा को निर्देशित किया कि उनके द्वारा भी ईवी चार्जिंग पॉइंट के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

लिफ्ट सुरक्षा के मुद्दे पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि 15 मई 2025 के बाद जनपद में जिन लिफ्टों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है उनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आबकारी विभाग के राजस्व विभाग का पैमाना छलका

पूर्व के मुकाबले अप्रैल 2025 में 64 करोड़ का अधिक राजस्व मिला

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली की तर्ज पर शराब के अधिक ठेके आवंटित करने तथा कंपोजिट ठेकों के कारण आबकारी विभाग को पूर्व वर्ष के मुकाबले इस वर्ष अप्रैल में 64 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व मिला।

बता दें कि अप्रैल 2025 में आबकारी विभाग को 136 करोड रूपये का राजस्व मिला था जो अप्रैल 2025 में बढ़कर 200 करोड हो गया।

जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक इस वर्ष अप्रैल में विदेशी मदिरा की खपत बढ़कर 10.26 लाख लीटर हो गई जो पूर्व वर्ष अप्रैल में 6.30 लाख लीटर थी। इसी तरह इस वर्ष

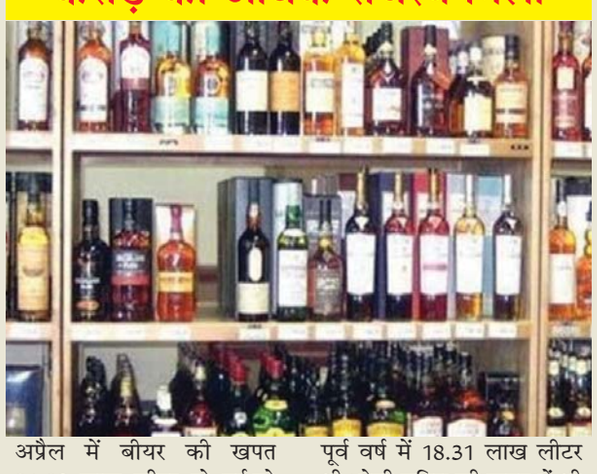

अप्रैल में बीयर की खपत 24.90 लाख लीटर हो गई जो पूर्व वर्ष में 18.31 लाख लीटर थी। देशी मदिरा की खपत में भी इस वर्ष काफी वृद्धि हुई है। पूर्व के 16.45 लाख लीटर के मुकाबले अप्रैल 2025 में देशी मदिरा की खपत बढ़कर 20.2 लाख लीटर हो गई।

गौरतलब है कि पहले विदेशी मदिरा तथा बीयर की कुल 286 दुकानें थीं, लेकिन अब इन दोनों को कंपोजिट करके एक ही दुकान में बिक्री करने की छूट दी गई है। अब जनपद में कंपोजिट दुकानों की संख्या 239 है। वहीं देशी मदिरा की 234 दुकानें तथा मॉडल शॉप की संख्या 27 है। इन सबके बीच 19 दुकानें टीन शेड में चल रही। इसमें हरौला स्थित बारातघर के बगल में अनुज्ञापी शशांक गुप्ता की दुकान शामिल है।